सोमवार
17 जनवरी 2022

पृष्ठ 4

आप भी करते हैं खाने के बाद टूथपिक का इस्तेमाल...!

पृष्ठ 5

नेटफ्लिक्स पर आई आयुष्मान और वाणी की फिल्म चंडीगढ़ करे आशिकी

● देहरादून
● वर्ष 28
● अंक 331
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

हज़ार योद्धाओं पर विजय पाना आसान है, लेकिन जो अपने ऊपर विजय पाता है वही सच्चा विजयी है।
– गौतम बुद्ध

दूनवैलीमेल

29 वां वर्ष email: doonvalley_news@yahoo.com आर.एन.आई.- 59626/94 Website: dunvalleymail.com

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले

संवाददाता

देहरादून। भाजपा ने डॉ हरक सिंह रावत को न सिर्फ सरकार से बल्कि पार्टी से बर्खास्त कर ऐसा जोरदार झटका दिया है कि वह अब आंसू बहाने पर मजबूर है। वह खुद अब मीडिया के सामने यह कह रहे हैं कि उन्होंने भाजपा को नहीं छोड़ा है भाजपा ने उन्हें बर्खास्त कर बाहर निकाला है उनका कहना है कि भाजपा ने उन्हें अपमानित किया है और अब वह भाजपा को हराने के लिए हर कुर्बानी देने को तैयार है।

उनका कहना है कि अगर अब वह किसी राजनीतिक दल के साथ जाएंगे तो केवल कांग्रेस के साथ जाएंगे अन्यथा अकेले रहकर राज्य के लोगों के लिए काम करेंगे। उन्होंने दोबारा भाजपा में जाने की संभावनाओं से इंकार करते हुए कहा है कि अब इसका सवाल ही पैदा नहीं होता है। उन्होंने कहा कि फर्जी मीडिया खबरों को आधार बनाकर भाजपा ने उन्हें पार्टी से निकाला है मुझे पार्टी ने बाहर निकाल कर मेरा बोझ हल्का कर दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि किसी टीम से बाहर कर दिए जाने पर कोई

❑हरक के जाने से कोई फर्क नहीं पड़ता: धामी
❑अनुशासनहीनता किसी की बर्दाश्त नहीं: कौशिक

खिलाड़ी खेलना नहीं छोड़ देता उन्होंने कांग्रेस में जाने के सवाल पर कहा कि मैंने अमित शाह को भाजपा न छोड़ने का वचन दिया था लेकिन जब भाजपा ने मुझे बाहर कर दिया है तो अब कांग्रेस से बात करूंगा उन्होंने कहा कि कांग्रेस कम से कम 40 सीटों पर जीत के साथ सत्ता में आ रही है।

ऐन चुनाव पूर्व दल बदल के प्रयासों में जुटे नेताओं को कांग्रेस की तर्ज पर भाजपा ने भी डॉ हरक सिंह के खिलाफ कठोर कार्रवाई कर आपदा में अवसर तलाशने वाले नेताओं को एक कड़ा संदेश देने का प्रयास किया है। इससे पूर्व दलबदल की चर्चाओं के बीच कांग्रेस नें किशोर उपाध्याय को सभी पदों से हटा दिया था इसके बाद अब भाजपा ने डॉक्टर हरक सिंह को बाहर का रास्ता दिखा कर यह कर दिया है कि सत्ता की मलाई के लिए दल बदलने वाले दल बदलूओं का क्या हश्र हो सकता है।

डॉ हरक सिंह के खिलाफ की गई इस कार्रवाई पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि हरक के जाने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। वही प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक का कहना है कि डॉ हरक सिंह रावत को कई मौके दिए गए लेकिन वह अपने कामों और व्यवहार से लगातार पार्टी के सामने असहज स्थिति पैदा करते रहे। जिसके कारण उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पार्टी को करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि पार्टी में किसी भी तरह की अनुशासनहीनता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वह चाहे कोई भी क्यों न हो? उन्होंने कहा कि पार्टी का नियम है कि वह एक परिवार

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

अब उज्याड़ू बल्द का क्या होगा?

●आसान नहीं होगी अब डॉ. हरक सिंह की कांग्रेस में एंट्री

संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। भाजपा से निकाले गए डॉ हरक सिंह रावत अब ऐसे दोराहे पर आकर खड़े हो गए हैं कि जहां से उन्हें अब यह समझ नहीं आ पा रहा है कि जाए तो जाए कहां? पूर्व सीएम हरीश रावत तो उन्हें उज्याड़ू बल्द बताकर कांग्रेस में उनकी एंट्री का विरोध करते रहे हैं।

डॉ हरक सिंह भाजपा से निकाले जाने के बाद अब बिना किसी शर्त कांग्रेस में जाने की बात कर रहे हैं लेकिन अभी तक कांग्रेस की ओर से उन्हें कोई आमंत्रण नहीं मिला है। उधर इस बाबत दिल्ली में जब हरीश रावत से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हरीश रावत क्या चाहते हैं यह बात महत्व की नहीं है पार्टी क्या चाहती है और क्या सोचती है यह महत्वपूर्ण है। अभी तक कांग्रेस संगठन की बैठक में हरक को लेने या न लेने पर कोई चर्चा नहीं हुई है। पार्टी तय करेगी कि उन्हें लेना है या नहीं। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता की भावना क्या है तथा संगठन की मंशा क्या है? उसी आधार पर फैसला लिया जाएगा।

हरीश रावत को जब 2016 की घटना के बारे में याद दिलाई गई तो उन्होंने कहा कि डॉ हरक सिंह के पार्टी में आने से कार्यकर्ताओं का मनोबल जरूर टूटेगा क्योंकि वह 6 साल से हरक सिंह का विरोध कर रहे हैं। इस मामले में प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल का कहना है कि डॉ हरक सिंह की वापसी का कांग्रेस को फायदा होगा लेकिन उन्हें वापस लेना है या नहीं इसका फैसला हरीश रावत और पार्टी हाईकमान की मर्जी से ही होगा। उधर इस मामले पर नेता विपक्ष प्रीतम सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि किसे पार्टी में एंट्री देनी है और किसे नहीं यह फैसला हाईकमान को करना है।

कांग्रेस नेताओं के बयानों से यह साफ है कि भाजपा से निष्कासन के बाद डॉ हरक सिंह की कांग्रेस में एंट्री आसान नहीं है। डॉ हरक सिंह रावत के मिजाज और 2016 में कांग्रेस विभाजन की घटना को लेकर जिसके वह सूत्रधार थे कांग्रेसी उन्हें माफ करने के मूड में नहीं है ऐसे में अब रावत का क्या होगा? समय ही बताएगा।

'किसी व्यक्ति की मर्जी के बिना उसका टीकाकरण नहीं किया जा सकता'

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी कोविड–१९ टीकाकरण दिशानिर्देशों में किसी व्यक्ति की सहमति के बिना उसका जबरन टीकाकरण कराने की बात नहीं की गई है।

दिव्यांगजनों को टीकाकरण प्रमाणपत्र दिखाने से छूट देने के मामले पर केंद्र ने न्यायालय से कहा कि उसने ऐसी कोई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी नहीं की है, जो किसी मकसद के लिए टीकाकरण प्रमाणपत्र साथ रखने को अनिवार्य बनाती हो। केंद्र ने गैर सरकारी संगठन एवारा फाउंडेशन की एक याचिका के जवाब में दायर अपने हलफनामे में यह बात कही। याचिका में घर–घर जाकर प्राथमिकता के आधार पर दिव्यांगजनों का टीकाकरण किए जाने का अनुरोध किया गया है। हलफनामे में कहा गया है, भारत सरकार तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देश संबंधित व्यक्ति की सहमति प्राप्त किए बिना जबरन टीकाकरण की बात नहीं कहते। केंद्र ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की मर्जी के बिना उसका टीकाकरण नहीं किया जा सकता।

पिछले 24 घंटे में देश में 2,58,089 नए कोरोना मरीज मिले, ओमीक्रोन के मामले 8 हजार के पार

नयी दिल्ली। भारत में कोरोना संक्रमण के ताजा मामलों में कमी आई है। पिछले २४ घंटे में देश में २,५८,०८९ नए कोरोना मरीज मिले हैं। कल के मुकाबले ये ५ प्रतिशत कम है। वहीं ३८५ लोगों की मौत भी इस अवधि में कोरोना की वजह से हुई है। इसी के साथ देश में कोरोना से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर ४ लाख ८६ हजार ४५१ हो गई है।

इन सबके बीच संक्रमण दर बढ़ा है। दैनिक संक्रमण दर कल के १६.२८ प्रतिशत से ऊपर चढ़कर १९.६५ प्रतिशत हो गया है। साप्ताहिक संक्रमण दर १४.४१ प्रतिशत है। वहीं ओमीक्रोन के मामले ८ हजार के पार हो गए हैं। देश के २९ राज्यों से अब तक ओमीक्रोन

वेरिएंट के कुल ८२०९ मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार सुबह दी गई जानकारी के अनुसार कोरोना वैक्सीन की कुल १५७.२० डोज अभी तक देश में दी जा चुकी है।इन सबके बीच संक्रमण दर बढ़ा है। संक्रमण दर कल के १६.२८ प्रतिशत से ऊपर चढ़कर १९.६५ प्रतिशत हो गया है। साप्ताहिक संक्रमण दर १४.४१ प्रतिशत है। वहीं ओमीक्रोन के मामले ८ हजार के पार हो गए हैं। देश के २९ राज्यों से अब तक ओमीक्रोन वेरिएंट के कुल ८२०९ मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार सुबह दी गई जानकारी के अनुसार कोरोना वैक्सीन की कुल १५७.२० डोज अभी तक देश में दी जा चुकी है। इन सबके बीच संक्रमण दर बढ़ा है। संक्रमण दर कल के १६.२८ प्रतिशत से ऊपर चढ़कर १९.६५ प्रतिशत हो गया है। साप्ताहिक संक्रमण दर १४.४१ प्रतिशत है। वहीं ओमीक्रोन के मामले ८ हजार के पार हो गए हैं। देश के २९ राज्यों से अब तक ओमीक्रोन वेरिएंट के कुल ८२०९ मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार सुबह दी गई जानकारी के अनुसार कोरोना वैक्सीन की कुल १५७.२० डोज अभी तक देश में दी जा चुकी है। कल ३९ लाख ४६ हजार ३४८ डोज लगाई गई। वहीं, १३ लाख १३ हजार ४४४ कोरोना सैंपल के टेस्ट भी रविवार को किए गए।

देश में आर–वैल्यू में कमी दर्ज की गई है। यह अब ७ जनवरी के १३ जनवरी के बीच कम होकर २.२ रह गया है। आर–वैल्यू दरअसल ये संकेत देता है कि कोविड–१९ कितनी तेजी से फैल रहा है।

दून वैली मेल

संपादकीय

जन सुरक्षा सर्वोपरि

निर्वाचन आयोग के सख्त दिशा निर्देशों के बावजूद भी तमाम राजनीतिक दलों और नेताओं द्वारा चुनाव आचार संहिता की जिस तरह से धज्जियां उड़ाई जा रही है वह कोविड के मद्देनजर चिंताजनक तो है ही, साथ ही अपने आप को जनसेवक बताने वाले नेताओं की संवेदनहीनता का भी प्रमाण है। चुनाव आयोग ने एक बार फिर से रैलियों, जनसभाओं और रोड शो जैसे कार्यक्रमों पर प्रतिबंध की अवधि 15 जनवरी से बढ़ाकर 22 जनवरी कर दी गई है जो एक स्वागत योग्य कदम है तथा यह दर्शाता है कि चुनाव आयोग समय से चुनाव कराने को लेकर जितना संजीदा है उतना ही गंभीर भी वह जन स्वास्थ्य को लेकर भी है। चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा के बाद जो नेता और राजनीतिक दल अपनी पार्टी कार्यक्रमों और चुनाव प्रचार के लिए भीड़ जुटा रहे है उन पर चुनाव आयोग पैनी नजर रखे हुए हैं। अब चुनाव आयोग ऐसी गतिविधियों के खिलाफ कड़े कदम भी उठा रहा है लेकिन नेता अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। सवाल यह उठता है कि क्या आम आदमी की सुरक्षा के प्रति उनका अपना कोई उत्तरदायित्व नहीं है? होना तो यह चाहिए था कि यह नेता और राजनीतिक दल खुद इस मुद्दे पर आगे बढ़कर पहल करते लेकिन इसके विपरीत यह राजनीतिक दल और नेता निर्वाचन आयोग द्वारा लगाए जाने वाले प्रतिबंधों का विरोध करने में लगे हुए हैं। एक मात्र कांग्रेस ने ही चुनाव आयोग के प्रतिबंधों से पूर्व खुद आगे आकर अपने चुनावी कार्यक्रमों को रद्द करने का साहस दिखाया था। जिसे अन्य राजनीतिक दलों द्वारा उसकी कमजोरी और मजबूरी बताकर उसका उपहास उड़ाया गया था। वर्तमान की राजनीति की हकीकत यही है कि वहां सच और उचित के लिए कोई स्थान नहीं बचा है। देश में जिस तरह से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं वह वास्तव में अत्यंत चिंताजनक है। हर रोज ढाई से तीन लाख तक नए मरीजों का मिलना और पॉजिटिविटी रेट का 15 प्रतिशत के आसपास तक पहुंच जाना और देश में 15 लाख से अधिक सक्रिय केसों की संख्या हालात की गंभीरता को समझने के लिए काफी है। भले ही चुनाव आयोग ने अभी फिजिकल रैलियों, जनसभा व रोड शों पर प्रतिबंध 22 जनवरी तक ही लगाया हो लेकिन हालात ऐसे ही रहते हैं तो इस प्रतिबंध की अवधि न सिर्फ बढ़ाई जा सकती है बल्कि पूरे चुनाव के लिए भी हो सकती है। जिन दलों और नेताओं को ऐसा लगता है कि बिना चुनाव प्रचार के कैसा चुनाव? उन्हें चाहिए कि वह चुनाव आयोग और देश की अदालत से अपील करें कि चुनाव को स्थगित किया जाए। क्योंकि जनता के जीवन की सुरक्षा सर्वोपरि है? इसलिए अगर राजनीतिक दल यह चाहते हैं कि जनता मरती रहे तो मरे चुनाव और चुनाव प्रचार को नहीं रोका जाना चाहिए तो यह संभव नहीं है। चुनाव आयोग को जो संवैधानिक अधिकार है उसके तहत सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को चुनाव आयोग की व्यवस्थाओं को मानना ही पड़ेगा। उनकी मनमानी नहीं चल सकती है। अच्छा हो कि चुनाव आयोग चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले नेताओं व दलों से अधिक सख्ती से निपटें, जिससे जनसुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

एकल परिवार और बुढ़ापा

टीएस दराल

एक ज़माना था जब हम गांव में रहते थे। घर के आंगन में या बैठक में, घर के और पड़ोस के पुरुषों को गपियाते हुए देखते थे। अक्सर गांव, अपने क्षेत्र और शहर की पॉलिटिक्स पर चर्चा के साथ-साथ आपस में हंसी ठट्ठा जमकर होता था। खेती-बाड़ी का काम वर्ष में दो बार कुछ महीने ही होता था। संयुक्त परिवारों में बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखा जाता था। अब समय बदल गया है। शहर ही नहीं, अब गांवों में भी एकल परिवार हो गए हैं। बच्चे और युवा मोबाइल पर या आधुनिक संसाधनों में व्यस्त रहते हैं। खेतीबाड़ी की जगह नौकरी पेशे ने ले ली है। अब गांवों में भी युवा वर्ग कम ही नज़र आता है। लॉकडाउन और कोरोना के भय से मिलना-जुलना लगभग समाप्त ही हो गया था। इसलिए हमने अस्पताल के अलावा कहीं और आना-जाना कम से कम कर रखा था। लेकिन अब जब दिल्ली में कोरोना के केस न्यूनतम हो गए हैं और अधिकांश लोग टीकाकृत हो गए हैं तो मिलना-जुलना अब आरंभ किया है। ऐसे ही मिलना हुआ हमारे एक मित्र सहपाठी के माता-पिता से जो पास में ही रहते हैं लेकिन उनकी सभी संतानें या तो विदेश में हैं या अन्य शहरों में। अंकल-आंटी दोनों लगभग 90 और 85 वर्ष के हैं। दोनों अभी इतने स्वस्थ हैं कि अकेले रह पाने में समर्थ हैं। शरीर से हल्के अंकल ने वरिष्ठ नागरिकों की दौड़ में अनेक मैडल जीते हैं। उनके साथ एक बार जो बातें शुरू हुईं तो हम जैसे अतीत काल में खो से गए। सुनाते समय उनका जोश और आंखों में चमक देखकर बड़ा आनंद आ रहा था। हम दोनों स्वयं वरिष्ठ नागरिक होते हुए भी बच्चों जैसा महसूस कर रहे थे। इस मृत्यु लोक की त्रासदी यह है कि मनुष्य अपना सारा जीवन बच्चों के लालन पालन, शिक्षा, शादी और उनके लिए आराम के संसाधन जुटाने में लगा रहता है। लेकिन अपने पैरों पर खड़े होते ही बच्चे वयस्क होकर ऐसे उड़ जाते हैं जैसे पर निकलने पर पक्षियों के बच्चे। अफ़सोस तो यह देखकर होता है कि माता-पिता अपने बच्चों के बिना अकेले रहते हैं और बच्चे जो स्वयं बुजुर्ग हो चुके होते हैं, अपने बच्चों के बिना अकेले रहते हैं। बस यह समझ नहीं पाते हैं कि यदि एक बेसहारा दूसरे बेसहारा से मिल जाए तो दोनों को सहारा मिल जाता है। लेकिन स्वतंत्र जीवन जीने के लालच में बच्चे माता-पिता से दूर हो जाते हैं। सच तो यह है कि घर इनसानों से बनता है। इनसानों के बिना यह एक मकान ही होता है।

सफलता के लिए हो उत्कट इच्छा

सीताराम गुप्ता

हम सब जीवन में सफलता का स्वाद चखना चाहते हैं लेकिन कितने व्यक्ति हैं जो अपने जीवन में अपेक्षित सफलता प्राप्त कर पाते हैं? बहुत कम। वास्तव में अपेक्षित सफलता न मिलने का कारण होता है सफलता के प्रति विश्वास की कमी अथवा सीमित विश्वास। दरअसल, हम अपनी सोच के सकारात्मक परिणाम पर विश्वास ही नहीं कर पाते हैं कि ऐसा संभव हो सकेगा। और यदि हमें कोई सोचने पर विवश कर भी दे तो हमारे विश्वास की एक सीमा अवश्य होती है और किंतु-परंतु जैसे शब्द हमारे मन में आ धमकते हैं और इस प्रकार अविश्वास ही नहीं सीमित विश्वास तथा इनके कारण निरंतर अभ्यास की कमी हमारी सफलता में सबसे बड़ी बाधा बन जाती है।

घुन लगा हुआ भीतर से खोखला बीज हो अथवा आधा कटा हुआ बीज, ये अंकुरित होकर पौधे नहीं बन सकते। ऐसे बीज तो मिट्टी में पड़े-पड़े सड़कर ही समाप्त हो जाते हैं। यदि अच्छे बीज हों लेकिन उनके साथ किंतु-परंतु रूपी खर-पतवार उग आए तो भी ये पौधे को पूरी तरह से पनपने नहीं देते। कई बार पौधे तो होते हैं दो-चार लेकिन खर-पतवार इतना अधिक कि पौधों को जमीन से न तो पोषण ही मिल पाता है और न सूर्य की रोशनी ही। यही हमारे विचारों के साथ होता है। या तो हमारे विचार ही अच्छे नहीं होते और यदि विचार अच्छे हों तो किंतु-परंतु रूपी संशय उन्हें विनष्ट कर डालता है। महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्ण अर्जुन को यही समझाते हैं कि विवेकहीन और श्रद्धारहित संशयात्मा मनुष्य का पतन हो जाता है। ऐसे संशयात्मा मनुष्य के लिए न यह लोक है, न परलोक है और न सुख ही है। संशय क्या है? संशय है अधूरा ज्ञान अथवा अज्ञान। हम जिस विषय को बिलकुल नहीं समझते उस विषय में संशय पैदा नहीं होता और जिसको भली-भांति समझते हैं उसमें भी संशय पैदा नहीं होता। संशय पैदा होता है अधूरे ज्ञान से और यही अज्ञान है। अज्ञान ज्ञान का अभाव नहीं है। अधूरे ज्ञान को पूरा मान लेना ही अज्ञान है। किसी विषय की गलत जानकारी अज्ञान है। संशय का उत्पन्न होना स्वाभाविक है। अत: संशय उत्पन्न होना हानिकारक नहीं है लेकिन संशय को बनाए रखना और उसे दूर करने की चेष्टा न करना हानिकारक है। संशयग्रस्त मनुष्य को न तो आध्यात्मिक उत्थान के मार्ग में ही कोई लाभ होता है और न ही वह जीवन में भौतिक सफलता ही प्राप्त कर पाता है। 'जाकी रही भावना जैसी' इसी सिद्धांत के अनुरूप, अपने विश्वास के अनुरूप ही हम सफलता प्राप्त कर पाते हैं। यही बात बाइबिल में कही गयी है कि आपके विश्वास के अनुसार ही आप कार्य करते हैं।

विलियम जेम्स ने कहा है कि हमारी शारीरिक एवं मानसिक शक्तियां असीमित, अपूर्व तथा अकल्पनीय हैं, जिनका हम प्रयोग ही नहीं करते या सीमित प्रयोग कर सीमित फल पाते हैं। आज हम अस्वस्थ, अशांत, असमृद्ध, असंतुलित अथवा अप्रभावशाली व्यक्तित्व के स्वामी चाहे न हों लेकिन अपने सीमित विश्वास अथवा अपने विश्वास की शक्ति का उपयोग न कर पाने के कारण कहीं न कहीं अल्पस्वस्थ, अल्पशांत, अल्पसमृद्ध, अल्पसंतुलित तथा अल्प प्रभावशाली व्यक्तित्व के स्वामी अवश्य हैं अन्यथा आज हम अपने सर्वांगीण विकास की सीढ़ी के जिस डंडे पर खड़े हैं उससे अगले डंडों पर क्यों नहीं? ये हमारा सीमित विश्वास या विश्वास की कमी ही तो है जिसके कारण हम सबसे पहले पहुंचने पर भी अगली पंक्ति में सर्वोत्तम स्थान पर बैठने की अपेक्षा पीछे की ओर किसी उपेक्षित-सी सीट पर जा बैठते हैं।

संभवत: आपको पता नहीं है कि विश्व की सारी समृद्धि, सारा ऐश्वर्य सिर्फ आपके लिए है। कहने का तात्पर्य यही है कि विश्व की सारी ताकतें आपके कदमों में सर झुकाने को बेताब हैं लेकिन आप हैं कि मन में ख्वाहिश ही पैदा नहीं करते। मन में ख्वाहिश पैदा कीजिए और अपने मन की शक्ति पर पूर्ण विश्वास कीजिए और फिर देखिए सफलता की हर सीढ़ी कैसे आपके लिए छोटी पड़ जाती है।

एक मुकम्मल प्यास एक उत्कट इच्छा तो मन में पैदा कीजिए उसकी पूर्ति का प्रबंध भी अवश्य हो जाएगा। विलियम जेम्स के अनुसार, इस शताब्दी का सबसे बड़ा आविष्कार है कि मनुष्य अपने विचारों को बदल कर जीवन सुखमय एवं सफल बना सकता है। वास्तविकता तो यही है कि मनुष्य को सफल होने के लिए अधिक शारीरिक श्रम करने की आवश्यकता ही नहीं। सकारात्मक विचार जीवन में क्रांति लाने में पूर्णत: सक्षम होते हैं। सफलता के विचार ही उसको दुनिया में सबसे ऊपर ले जा सकते हैं। आवश्यकता है तो बस कुछ करने के विषय में सोचने और उसकी सफलता की कामना करने की। जीवन के किसी भी क्षेत्र में ऊंचाई पर पहुंचना उतना ही आसान है जितना किसी हिल स्टेशन पर पहुंचना।

बड़े भाग्य की बात है कि हमारी मंजिल हमें पुकार रही है, कहीं बहुत ही नजदीक है लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि हम फिर भी उसकी तलाश नहीं कर रहे हैं। पहले तो कभी मंजिल हमारे इतने पास न थी लेकिन अब तो मंज़िल सामने है उसे छू लीजिए। अपने विचारों की शक्ति को पहचान कर उस पर विश्वास करके अपने जीवन को सफल बना लीजिए।

त्वद्विश्वा सुभग सौभगान्यग्ने वि यन्ति वनिनो न वयाः।
श्रुष्टी रयिर्वाजो वृत्रतूर्ये दिवो वृष्टिरीड्यो रीतिरपाम्।।
(ऋग्वेद ६-१३-१)

हे अग्रणी परमेश्वर ! जिस प्रकार वृक्ष से शाखाएं निकलती हैं उसी प्रकार सभी उत्तम ऐश्वर्य आप से ही निकलते हैं। शत्रु से रक्षण करने वाला बल आप से ही प्राप्त होता है। सब धन आप से प्राप्त होते हैं। आनंद की वृष्टि भी आप ही करने वाले हैं। आप सभी धनों और ऐश्वर्यादि के स्रोत हैं।

First and foremost, God ! Just as branches grow from a tree, similarly all great opulences come out of you. The strength to protect from the enemy comes from you. All the wealth comes from you. You are the one who brings rain of joy. You are the source of all the wealth and Aishwarya, etc. (Rig Veda 6-13-1)

उसके आने का इंतजार, कितना हसीन है

विकास कुमार

जीवन का कुछ समय ऐसा होता है जो तुरंत विदित हो जाता है। मगर कुछ समय ऐसा होता है जो काटे से नहीं कटता है। इंतजार इन दोनों के बीच का समय होता है जो गुजरता भी नहीं और आता भी नहीं। यदि हम किसी से मिलने की चाह रखते हैं तो उतना मजा मिलने में नहीं आता जितना कि इंतजार करने में आता है। उसके आने और मिलने की बीच की दूरी के समय में विविध प्रकार की सूची और समय सारणीओं का निरूपण हम अपने आप कर लेते हैं। इसमें भी यदि आपका कोई दिली और स्नेहिल व्यक्ति आने वाला हो तो इंतजार मैं और चार चांद लग जाते हैं। कभी गुस्सा हो जाना कभी खुशी से झूम उठना। उम्मीद की किरण होती है कि वह कब आ रहा है? कैसे बिताएंगे उसके साथ हसीन पल? उसी समय में आप अपने अति महत्वपूर्ण कामों को भी अपने दैनिक दिनचर्या से हटाना शुरू कर देते हैं। एक योजना बनाते हैं गुजारने का दिन, परंतु वह बहुत महत्वपूर्ण होता है की वह समय आपका कैसे गुजरा इससे भी अधिक यह महत्वपूर्ण होता है कि वह व्यक्ति आने वाला कौन है ।

अगर आप उससे आनाकानी करके बचना चाहते थे परंतु बच नहीं पाए और आपको इंतजार करना पड़े तो आपका गुस्सा उसके समय पर आने पर भी उत्तुंग शिखर पर चढ़ा होता है। यही स्नेहिल और दिल्ली व्यक्ति पर भी होता है अगर वह देरी से आए तो आप यही काम करते हैं। दर्शन उम्मीदों की किरण एक ही जगह से आती हैं। बस भावनाओं और आवेगो के बस में आकर हम उन्हें भूल जाते हैं। इसी तरह की श्रेणियां इंतजार की हम अपने दिल की करीबी वालों की बना सकते हैं। उस वक्त इंतजार करते समय भावनाओं का उद्गम ठीक उसी प्रकार से होता है जैसा व्यक्ति आपके पास आ रहा है। यदि आप माता-पिता का इंतजार कर रहे हैं तो चेहरे में मुस्कुराहट दूसरी होगी। यदि आप अपने चाहे ते मित्र का इंतजार कर रहे हैं तो वह इंतजार और उसके बीच का मध्यान से दूरी का समय कुछ दूसरा ही होता है। उतना मजा मिलने में नहीं आता और वह व्यक्ति जब आपके पास आ जाता है सुख और सुकून नहीं मिलता जो उसके इंतजार में मिलता है। वह सभी प्रकार की बातें आप अपने आप से कर रहे होते हैं, जोकि उसके आने पर होने वाली होती है। यही एक कारण होता है की इंतजार का समय कटता नहीं बस यही लगता है कितनी देर मिली उससे। आपके आवे अत्यंत तीव्र गति से आगे बढ़ते हैं । आप सोचते हैं वह आ गया। वह आ गई और हम चल दिए उसके साथ।

(लेखक- केंद्रीय विश्वविद्यालय अमरकंटक में रिसर्च स्कॉलर हैं एवं राजनीति विज्ञान में गोल्ड मेडलिस्ट हैं)

तीस पेटी शराब सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चम्पावत। आगामी चुनावों के मद्देनजर तस्करी कर लायी जा रही 30 पेटी अंग्रेजी शराब सहित पुलिस ने दो तस्करों को तस्करी में प्रयुक्त वाहन सहित ध र दबोचा है। आरोपियों को आबाकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम चम्पावत एसओजी व थाना लोहाघाट पुलिस को सूचना मिली कि विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कुछ शराब तस्कर भारी मात्रा में शराब सहित आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र के सभी चैकनाकों पर चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को ढोलडूंगा बैण्ड बर्दाखान के समीप एक संदिग्ध बोलेरो आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रोकना चाहा तो बोलोरो सवार दो लोग कूद कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। वाहन की तलाशी के दौरान पुलिस ने उसमें रखी 30 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की। थाने लाकर की गयी पूछताछ में तस्करों द्वारा अपना नाम शंकर सिंह बिष्ट पुत्र स्व. मदन सिंह बिष्ट व हरीश राम पुत्र स्व. प्रेमराम निवासी ग्राम डूंगरा, भनोली जिला अल्मोडा बताया। बताया कि उनके द्वारा यह शराब आगामी विधान सभा चुनावों के चलते लोहाघाट व चम्पावत क्षेत्र में स्टोर (भण्डारण) करने लायी जा रही थी। बहरहाल पुलिस ने उन्हे आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

युवीकैन ने ब्रदर हुड को 151 रन से हराया

देहरादून (सं)। कैंसर जागरूकता के लिए खेले गये मैत्री मैच में युवीकैन ने ब्रदर हुड को 151 रन से पराजित कर मैच जीता। गत दिवस अश्मित क्रिकेट ग्राउण्ड दूधली में युवीकैन और ब्रदर हुड 11 के बीच पोस्टेड कैंसर जागरूकता के लिए 25 ओवर का क्रिकेट मैच खेला गया। जिसमें युवीकैन के कप्तान मेडी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 7 विकेट खोकर 230 रन बनाएं। जिसमें हिमांशु ने 65 व मुकेश ने 57 रन की पारी खेली लक्ष्य का पीछा करते हुए ब्रदर हुड की टीम मेडी ने शुरूआत में तीन झटके जिससे टीम उबर नहीं पायी और मात्र 79 रनो में ऑल आउट हो गयी। युवीकैन की तरफ से मेडी और नरेश ने तीन-तीन विकेट लिए टीम ने मैच 151 रन से जीत लिया।

धूमधाम से मनाया गया संगम का स्थापना दिवस

देहरादून (कासं)। संगम ट्रस्ट ने धूम धाम से अपना सातवाँ स्थापना दिवस मनाया, कोरोना के मद्देनज़र आयोजित हुए कार्यक्रम में पूरे देश से ऑन लाइन संगम परिवार के लोगों ने जुड़ कर स्थापना दिवस मनाया।

ऑनलाइन आयोजित कार्यक्रम में कई फ़िल्मी कलाकार ने जुड़ कर अपनी प्रस्तुति साथ ही शुभकामना भी दी। संगम ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश तिवारी ने सभी की खिचड़ी और संगम ट्रस्ट के स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा की अपनी सांस्कृतिक धरोहर को बचाए रखने के लिए संगम जैसी संस्थाओं की आज आवश्यकता है।उन्होंने ऑनलाइन जुड़े सभी लोगों को बधाई और शुभकामनाएँ दी , हर वर्ष के भाँति इस बार संगम सम्मान आई जी पुष्पक ज्योति को प्रदान किया गया।

पाटलिपुत्र के कुलपति डा आर के सिंह ने मुख्यतिथि के रूप में अपने सम्बोधन में कहा की पिछले सात वर्षों में संगम ने जिस तरह से संयुक्त परिवार की तरह काम किया है वह अभूतपूर्व है उन्होंने कहा की कोरोना महामारी में जिस तरह से संगम के लोगों ने आम जन की मदद की वह सराहनीय है। कोषाध्यक्ष शिव शंकर ने पिछले वर्षों के उपलब्धियों को सबके सामने रखा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कवि श्री कांत श्री और महिमा श्री ने कविताओं के माध्यम से आज की परिस्थितीयो को वया किया। कार्यक्रम को कई वक्ताओं ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने किया।

आचार संहिता का बहाना बनाकर जनता को परेशान किया जा रहा हैः मर्तोलिया

कार्यालय संवाददाता

पिथौरागढ़। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने आचार संहिता की आड़ में आम नागरिकों को पुलिस एवं प्रशासन द्वारा परेशान करने की निंदा की। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग तथा राज्य निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर इस पर अंकुश लगाने की मांग की है। कहा कि अगर पिथौरागढ़ जिला प्रशासन तथा पुलिस प्रशासन अपनी कार्यप्रणाली में सुधार नहीं लाता है तो अनुमति लेकर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने आज इस आशय का पत्र जारी किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा लगाई गई आचार संहिता का बहाना बनाकर आम नागरिकों को परेशान किया जा रहा है।

आयोग द्वारा नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। आम नागरिकों की जेब से बीस हजार रुपए तक की धनराशि पुलिस प्रशासन द्वारा की जब्त की जा रही है। उन्होंने कहा कि आम

नागरिकों को बताया जाना चाहिए कि वह कितनी धनराशि नकदी के रूप में अपने पास रख सकते है।

जबकि पांच लाख तक की नगद धनराशि कोई भी नागरिक अपने पास रखकर यात्रा कर सकता है। उन्होंने कहा कि जो पुलिस प्रशासन अवैध शराब तथा खनन के अवैध कारोबार पर रोक लगाने में हमेशा नाकाम रहती है। वह आज चुनाव के नाम पर आम नागरिकों को परेशान कर उनका उत्पीड़न कर रही है।

इस बात का जोरदार विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि है पुलिस प्रशासन को निर्वाचन आयोग की गाइड लाइन के अनुसार कार्य करना चाहिए न की जनता को परेशान करने के लिए अपने हिसाब से नियमों को बनाकर।

जिला पंचायत सदस्य ने कहा कि पिथौरागढ़ जनपद के अंतर्गत निर्वाचन के नाम पर पुलिस का जो ख्वाब चल रहा है। उससे आम नागरिक डरा एवं सहमा हुआ है। वह बाजार आकर नगदी के साथ अपने घरेलू सामानों को खरीदने की भी हिम्मत नहीं बना पा रहा है। चुनाव में इस तरह का भय का माहौल बनाया जाना ठीक नहीं है।

उन्होंने कहा कि अगर जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन इस संदर्भ में आम नागरिकों के हितों की रक्षा नहीं करती है,तो उन्हें आचार संहिता की नियमों के तहत इनके खिलाफ आंदोलन करने के लिए विवश होना पड़ेगा।

आप नेता पहुचे लोगों के द्वार

संवाददाता

देहरादून। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर अपनी पार्टी की विचारों से लोगों को अवगत कराया।

आज यहां डोईवाला विधानसभा में आम आदमी पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ता घर घर जाकर केजरीवाल की नीतियों का प्रचार प्रसार करते हुए इस मौके पर उपाध्यक्ष भजन सिंह, प्यारा सिंह, महिला मोर्चा उपाध्यक्ष आयशा खान महिला मोर्चा सचिव आरती कुमारी मंडल प्रभारी एसएस रावत विधानसभा सचिव जोगिंदर सिंह, मंडल प्रभारी सौरभ राणा, मंडल प्रभारी कश्मीरी लाल मंडल मंडल प्रभारी पुरुषोत्तम सिंह ने अलग-अलग टीमों मैं जाकर बड़े स्तर पर जनसंपर्क किया। इस मौके पर डोईवाला विधानसभा प्रत्याशी राजू मौर्य एवं जिला संगठन मंत्री जसवीर सिंह भी मौजूद रहे डोर टू डोर कैंपेन के दौरान जनता में भारी उत्साह देखा गया हर घर से जुड़ने का पार्टी का ध्यान से चल रहा है जनता का साफ तौर पर कहना है एक मौका आम आदमी पार्टी को भी मिलना चाहिए

पुलिस ने किया सेराघाट और चौकोडी में वाहनों की सघन चेकिंग अभियान

संवाददाता

बेरीनाग। बेरीनाग पुलिस ने कोविड के खिलाफ लोगों लगातार जागरूक करते हुए बाजार में लोगों से बिना मास्क के नही आने और सामाजिक दूरी का पालन करने की अपील।

थानाध्यक्ष प्रताप सिंह नेगी बताया की थाना क्षेत्र के राईआगर, चौकोड़ी, कोटमन्या, देवीनगर, बेरीनाग बाजार में बिना मास्क के घुम रहे तीन दर्जन लोगों का चालान किया और नि शुल्क मास्क वितरित किये। थानाध्यक्ष प्रताप सिंह नेगी ने बताया कि पुलिस लगातार कोविड के

प्रति लोगों को जागरुक किया जा रहा है यदि उसके बाद भी मास्क नही पहनते है तो आपदा एक्ट में कानूनी कार्रवाई की जाएगी।वही पुलिस के द्वारा विधानसभा चुनाव को शांति पूर्ण सम्पन्न कराने के लिए एसएसटी टीम चौकोडी और सेराघाट में दर्जनों वाहनों की सघन चेकिंग की। इस दौरान वाहनों में सवार लोगों से पूछताछ भी की। थानाध्यक्ष प्रताप सिंह नेगी ने बताया विधानसभा चुनावों को देखते आपराधिक छवि वालों पर नजर रखी जा रही है। धारा १४४के नियमों का पालन करवा जा रहा है।

महिलाओं को वितरीत किये गारंटी कार्ड

संवाददाता

बेरीनाग। आम आदमी पार्टी की गंगोलीहाट विधानसभा प्रभारी बबीता चंद ने विधानसभा विभिन्न क्षेत्रों बना ,भट्टीगांव ,जमुना नगर, बोराखेत सहित दर्जनों गांवों भ्रमण कर जनसंपर्क किया गया तथा घर घर जाकर लगभग सैकड़ों घरों में प्रति महीने महिलाओं को १हजार रुपये गारंटी कार्ड वितरित किये गए। बबीता चंद ने बताया महिला होने के कारण जनता का विशेष ध्यान आकर्षित हो रहा है इस मौके पर दर्जनों लोगों आम आदमी पार्टी की सदस्यता भी ली।

बबीता चंद ने कहा की पिछले २० वर्षों में भाजपा और कांग्रेस ने यहां पर बारी बारी से राज किया और प्रदेश का

विकास नही हुआ। आज भी गांव विकास से कोसों दूर है जनता को ठगने का इन दलों के द्वारा किया गया।आज युवाओं को रोजगार नही मिलने के कारण दर दर ठोकरें खाने को मजबूर हैं बेरीनाग और चौकोडी के लोगों को दशकों के बाद भी भूमि का मालिकाना हक नहीं मिला है आज भी बेरीनाग के लोगों को सप्ताह में एक दिन पानी मिल रहा है। विकास के नाम जनता को सिर्फ ठगने का कार्य किया गया। अब जनता इसका जबाब देने को तैयार बैठी है किसी भी हालत में इनकी ठगी में नही आने वाली है।

सामाजिक समरसता हिन्दू एकता विषय पर गोष्ठी आयोजित

संवाददाता

देहरादून। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा मानस मंदिर स्थित कार्यालय में सामाजिक समरसता हिंदू एकता के विषय को लेकर विचार गोष्ठी आयोजित की गई।जिसमें सामाजिक समरसता के विषयों के साथ समाज में परिषद के कार्यकर्ताओं की मजबूत भागीदारी सुनिश्चित हो।

इस विषय के साथ बैठक का आयोजन हुआ जिसमें अन्य समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले लोगों में और गोर्खाली सुधार समिति के प्रदेश अध्यक्ष पदम थापा को विश्व हिंदू परिषद महानगर संगठन मंत्री अमित कुमार वह विभाग मंत्री राजेंद्र राजपूत के द्वारा सम्मानित कर शॉल पहनाई गई। थापा द्वारा अपने जीवन में सामाजिक समरसता के लिए किए गए कई कार्यों का उल्लेख किया गया और इस क्षेत्र में विश्व हिंदू परिषद के किए गए कार्यों की सराहना की गई गोष्ठी का शुभारंभ जिला सह मंत्री श्याम शर्मा जी के द्वारा सामाजिक समरसता का उल्लेख करने वाले गीत के साथ किया गया। उसके बाद सामाजिक समरसता के माध्यम से हिंदू समाज को एकजुट कर उसका मतदान का अधि कार उसके मान बिंदुओं की रक्षा के लिए लगे इस विषय को लिया गया विषय को लेते हुए वक्ताओं में बजरंग दल के प्रांत साप्ताहिक मिलन प्रमुख विकास वर्मा ने संत रविदास के जीवन परिचय हिंदू रक्षा के उनके पवित्र संकल्प जो की हिंदू धर्म की रक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण थे और मुगलकालीन समय में हुए हिंदू समाज पर बर्बर अत्याचार और हिंदू धर्म पर हो रहे खतरों का किस प्रकार मुकाबला इन महान संतों द्वारा किया गया इन विषय को सामने रखकर इस चर्चा को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा हिंदू समाज में विघटन को बढ़ाने में देश का अहित चाह रखने वाले तत्वों व उनका संरक्षण करने वाली राजनीतिक पार्टियों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। हमें अपने प्रयासों में गंभीरता लानी होगी हमारे प्रयास अवश्य सफल होंगे। हिंदू मान बिंदुओं की रक्षा करने वाली सरकार ही इन राज्यों को मिलेगी । ं प्रांत साप्ताहिक मिलन प्रमुख बजरंग दल विकास वर्मा, विभाग मंत्री राजेंद्र राजपूत, धर्म प्रसार प्रांत सह प्रमुख गिरिराज पाल,विभाग गौ रक्षा प्रमुख नरेंद्र चौहान, गौ सेवा उपाध्यक्ष उषा रावत, महानगर सह मंत्री श्याम शर्मा, संयोजक ,आशीष बलूनी, अमन स्वेडिया , सेवा प्रमुख हरीश कोहली,अनूप सिंह, अखिल अग्रवाल नरेश प्रजापति,कुलदीप रोहिला, कुणाल शर्मा, राशिराम वर्मा, पंकज कुमार, मनीष त्यागी, विक्की मान, हिमांशु नेगी आदि उपस्थित थे।

12 साल बाद होगा भरदार क्षेत्र में उफराई देवी में धार्मिक अनुष्ठान

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। १२ वर्षो बाद भरदार क्षेत्र में उफराई देवी मंदिर में ६ दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान किया जाएगा। इसके लिए रविवार को मंदिर समिति की बैठक आयोजित की गई। धार्मिक अनुष्ठान की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। जिसमें प्रस्तावित आगामी २ अप्रैल चौत्र नवरात्र से नौ दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान को शुरू करने का निर्णय लिया गया। इस आयोजन की सफलता के लिए जवाड़ी निवासी प्रकाश कप्रवान को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया।

पांडव चौक जवाडी में आयोजित बैठक में समिति के उपाध्यक्ष विक्रम सिंह पंवार की अध्यक्षता में हुई। जिसमें वक्ताओं ने कहा कि भरदार क्षेत्र के दरमोला के साथ ही जवाडी, रौठिया, स्वीली, सेम, डुंग्री, तरवाड़ी, कोटली समेत आठ गांवों की यह आराध्य देवी है। उफराई देवी मंदिर में १२ वर्ष बाद होने वाले महायज्ञ व धार्मिक अनुष्ठान कराने पर लेकर सभी ग्रामीणों की राय ली गई। जिसमें प्रस्तावित आगामी २ अप्रैल से मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान कराने पर सहमति बनी है। नौ दिवसीय महायज्ञ में व्यास आचार्य डा. शंशाक डिमरी को व्यास के रूप में नियुक्त करने सहमति बनी। इसके अलावा मंदिर के जीर्णाद्वार, चारों गांवों के क्षेपंस एवं प्रधानों ने एक–एक भवन देने एवं मंदिर तक रोड़ पहुंचाने को लेकर चर्चा की गई। बैठक में क्षेत्र के पूर्व सैनिकों ने मंदिर के पास अपने संसाधनों से यज्ञशाला बनाने की बात कही। वहीं उफराई देवी मंदिर समिति की कार्यकारिणी में अध्यक्ष के अलावा उपाध्यक्ष विक्रम पंवार, कोषाध्यक्ष देवराज सिंधवाल, सचिव देव सिंह रावत, सह सहसचिव नागेन्द्र कप्रवान, प्रचार मंत्री मंगल सिंह पंवार समेत कई लोगों को सदस्यों में शामिल किया गया। उफराई देवी मंदिर समिति के उपाध्यक्ष विक्रम सिंह पंवार ने बताया कि भरदार क्षेत्र के ग्राम पंचायत दरमोला में स्थित मां उफराई देवी का मंदिर विराजमान है। जहां प्रत्येक १२ वर्ष में धार्मिक अनुष्ठान महायज्ञ का आयोजन होता है। वर्ष २०११ में यहां पर महायज्ञ का आयोजन हुआ था। अब प्रस्तावित दो अप्रैल से यहां पर महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर विभिन्न मुददों पर चर्चा की गई।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

आप भी करते हैं खाने के बाद टूथपिक का इस्तेमाल...!

बहुत से लोग ऐसे होते हैं जिनको कुछ भी खाने के बाद टूथपिक या माचिस की तीली का इस्तेमाल करना पसंद होता है। ऐसे लोगों की टूथपिक या माचिस की तीली से दांत साफ करने की आदत होती है। इसे आम भाषा में लोग दांत खोदना कहते हैं। लेकिन अगर आपको यह आदत है तो यह आपको बहुत बड़ी मुश्किल में डाल सकती है। आपको बता दें कि टूथपिक या माचिस की तीली से दांत खोदने से आपके दांतों और मसूड़ों में एक नहीं बल्कि कई सारी दिक्कतें हो सकती हैं। आज हम आपको इन्ही के बारे में बताने जा रहे हैं।

दांतों के बीच गैप आ सकता है– टूथपिक से दांत साफ़ करने से आपके दांतों के बीच में गैप आ सकता है। जी हाँ और यह देखने में तो ख़राब लग ही सकता है साथ ही इनमें खाना फंसने से कैविटी होने की दिक्कत भी हो सकती है।

दांत कमजोर हो सकते हैं– आपको बता दें कि कई बार टूथपिक और माचिस की तीली से दांत साफ़ करते हुए कुछ लोग उसको चबाने भी लगते हैं। ऐसा करने से दांतों के इनेमल की परत को नुकसान हो सकता है जिससे दांत कमजोर हो सकते हैं।

दांतों की जड़ों को नुकसान हो सकता है– लगातार और बार–बार टूथपिक के इस्तेमाल से दांतों की जड़ें भी कमजोर हो सकती हैं। जी दरअसल, कई बार ऐसा भी होता है जब टूथपिक टूट जाती है और उसका टुकड़ा टूटकर दांतों में फंस सकता है जिससे टिशूज को नुकसान हो सकता है।

मसूड़ों से खून आ सकता है– टूथपिक या माचिस की तीली से दांत खोदने से मसूड़ों में जख्म लग सकता है। इसी के साथ मसूड़ों में चोट लग सकती है और खून भी आ सकता है।

क्या तरीके अपना सकते हैं आप–

* टूथपिक या माचिस की तीली से दांत साफ करने की आदत छोड़ दें, लेकिन अगर न छोड़ सकें तो आप इसके लिए किसी और तीली की जगह नीम की तीली का इस्तेमाल कर सकते हैं क्योंकि नीम एंटीबैक्टीरियल होता है।

* रोजाना खाना खाने के बाद कुल्ला करने की आदत डालें। इसके लिए नमक वाले गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें तो ज्यादा अच्छा होगा।

* खाना खाने के बाद ब्रश करने की आदत डालें।(आरएनएस)

एक्टर से डायरेक्टर बनने वाले हैं कुणाल खेमू

अभिनेता कुणाल खेमू पिछले कुछ समय से बड़े पर्दे से नदारद हैं। हालांकि, डिजिटल जगत में वह काफी सक्रिय हैं और अपने अभिनय के जरिए वाहवाही भी बटोर रहे हैं। अब कुणाल निर्देशन में भी अपनी किस्मत आजमाने के लिए तैयार हैं। वह एक फिल्म से निर्देशक की टोपी पहनने जा रहे हैं, जिसे लेकर कुणाल बेहद उत्साहित हैं। फरहान अख्तर उनकी इस फिल्म के प्रोडक्शन का काम संभालेंगे।

रिपोर्टों के मुताबिक, कुणाल ने एक शानदार कहानी लिखी है। वह ना सिर्फ फिल्म के लेखक, बल्कि इसके निर्देशक भी होंगे। कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौरान कुणाल ने लेखन का पूरा लुत्फ उठाया और इसी बीच उन्होंने पूरी एक फिल्म की कहानी लिख डाली। कहानी पूरी करने के बाद कुणाल ने फरहान अख्तर और रितेश सिद्धवानी से संपर्क किया, जिन्होंने उनकी इस फिल्म को बनाने के लिए यह शर्त रखी कि कुणाल की इसका निर्देशन करें।

कुणाल चाहते थे कि उनकी यह फिल्म फरहान और रितेश के प्रोडक्शन हाउस एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बने। लिहाजा वह निर्देशक बनने के लिए तैयार हो गए। रिपोर्टों के मुताबिक, कुणाल ने एक कॉमेडी फिल्म की कहानी लिखी है। वह दर्शकों को हंसी का जबरदस्त डोज देने वाले हैं। फिलहाल इस फिल्म के लिए कलाकारों की तलाश चल रही है। निर्माता फिल्म के प्री–प्रोडक्शन का काम शुरू करने वाले हैं और फिल्म की शूटिंग भी शुरू होने वाली है। शायद ही आप इस बात से वाकिफ होंगे कि राज और डीके की फिल्म गो गोवा गॉन के लिए कुणाल डायलॉग भी लिख चुके हैं। कुणाल आजकल फिल्म कंजूस मक्खीचूस को लेकर भी सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में श्वेता त्रिपाठी और पीयूष मिश्रा जैसे कई कलाकार नजर आने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन विपुल मेहता ने किया है। यह एक मजेदार पारिवारिक फिल्म है। कुणाल मशहूर निर्देशक जोड़ी राज और डीके की अगली वेब सीरीज गुलकंद में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। इसमें पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और गौरव गेरा भी नजर आएंगे।

शब्द सामर्थ्य -92

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़–खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

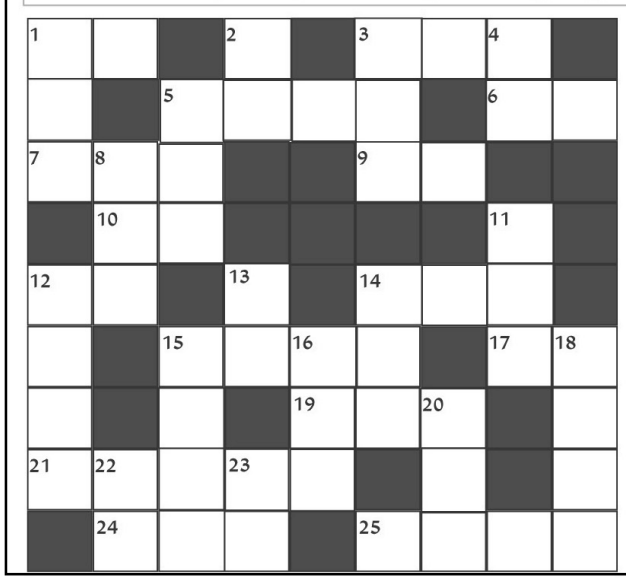

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 91 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

लारा दत्ता ने कौन बनेगा शिखरवती के डायरेक्टर्स की तारीफ की

लारा दत्ता अपनी अपकमिंग सीरीज कौन बनेगा शिखरवती को लेकर काफी एक्साइटेड है। सीरीज का 7 जनवरी को जी5 पर प्रीमियर हुई। शो के प्रीमियर से पहले एक्ट्रेस लारा ने सोशल मीडिया का सहारा लेते हुए अपने डायरेक्टर्स की तारीफ की है।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर कौन बनेगा शिखरवती के सेट की कुछ पुरानी यादें शेयर की है और साथ ही कैप्शन में लिखतीं है, यह पोस्ट मेरे डायरेक्टर्स के लिए है। गौरव चावला और अनन्या बनर्जी के लिए बहुत सारा प्यार और रिस्पेक्ट।

आप दोनों ने बहुत ही यूनीक चीज़ बनाईं है। और जिंदगीभर के लिए बहुत ही यादगार और शानदार एक्सपीरियंस दिया है। सकौनबनेगाशिखरवती का प्रीमियर आज जी5 पर होगा।

यह सीरीज कॉमेडी और ड्रामे से भरपूर होने वाली है। ट्रेलर देखकर लग रहा है कि यह सीरीज आपको एक मजेदार राइड पर ले जाने वाली है। लारा के अलावा शो में नसीरुद्दीन शाह, सोहा अली खान, कृतिका कामरा और अन्या सिंह भी मुख्य किरदारों में है।

कौन बनेगी शिखरवती की कहानी राजा मृत्युंजय (नसीरुद्दीन शाह) और उनके परिवार के ऊपर आधारित है। सीरीज की कहानी आपको हंसाने के साथ ही साथ इमोशनल भी कर देगी। आपको बता दें कि अभिनेता रघुबीर यादव, साइरस साहूकार, वरुण ठाकुर और अनुराग सिन्हा भी प्रमुख भूमिका निभाते नजर आने वाले है।

इस कॉमेडी ड्रामा शो को गौरव चावला और अनन्या बनर्जी ने मिलकर डायरेक्ट किया है। एम्मे एंटरटेनमेंट और अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा इस वेब शो को प्रोड्यूस किया जा रहा है। सीरीज का प्रीमियर 7 जनवरी को जी5 पर हुआ।

अब एक्स वाइफ किरण राव की इस फिल्म में नजर आएँगे आमिर खान

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान लंबे समय से अपनी अपकमिंग फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा ' पर काम कर रहे हैं. फिल्म में आमिर खान के साथ एक बार फिर करीना कपूर खान नजर आने वाली हैं.

आमिर खान अब अपने आने वाले प्रोजक्ट्स को लेकर भी काम में जुट गए हैं. वह दो फिल्में प्रोड्यूस करने वाले हैं और खास बात ये है कि इस फिल्म को कोई और नहीं बल्की उनकी एक्स वाइफ किरण राव डायरेक्ट करने वाली हैं.

फिल्म जल्दी ही फ्लोर पर आ जाएगी, जिसे आमिर खान प्रोड्यूस करेंगे. फिलहाल मिस्टर परफेक्शनिस्ट अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म लाल सिंह चड्ढा को फिनिश करने में जुटे हैं. इस फिल्म के प्रोड्यूसर भी आमिर खान और किरण राव ही हैं.

दूसरी फिल्म का काम सुनील पांडे संभालेंगे, जिन्होंने पहले रंग दे बसंती में आमिर खान के साथ काम किया था. इस फिल्म में उन्होंने बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया था. बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से सुनील पांडे और आमिर खान के बीच बातचीत चल रही है.

बाल शिव में सती की मां प्रसूति का किरदार निभाएंगी श्रावणी गोस्वामी

अभिनेत्री श्रावणी गोस्वामी शो बाल शिव में सती की मां प्रसूति की भूमिका में नजर आ रही है। उनका कहना है कि यह शो उनके लिए एक अच्छा अवसर है क्योंकि पौराणिक कथा उनकी पसंदीदा शैलियों में से एक है।

बाल शिव का हिस्सा बनने को लेकर उत्साहित, श्रावणी कहती हैं, पौराणिक कथा मेरी पसंदीदा शैलियों में से एक है और महादेव से जुड़े एक शो में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना मेरे लिए आशीर्वाद से कम नहीं है। मैं भगवान शिव की बहुत बड़ी भक्त हूं, और मुझे उन पर बहुत भरोसा है। इस शो की एक अनूठी कहानी है जो एक मां और बेटे के बीच के खूबसूरत और प्यारे रिश्ते को दर्शाती है।

अपने चरित्र प्रसूति के बारे में बात करते हुए, एक्टर ने कहा कि प्रसूति प्रजापति दक्ष की पत्नी और सती की मां है। वह एक आदर्श पत्नी और निस्वार्थ माँ की प्रतिमूर्ति हैं।

प्रसूति एक बहुत ही शांत चरित्र है जो एक आदर्श संतुलन बनाना चाहती है और शांति से सब कुछ प्रबंधित करना चाहती है। वह शिव और सती के रिश्ते के लिए प्रार्थना करती है लेकिन अपने पति के खिलाफ स्टैंड नहीं ले सकती है। वास्तविक जीवन में, मैं एक बहुत ही शांत और रचनाशील व्यक्ति हूं। इसलिए, जब मुझे इस भूमिका की पेशकश की गई, तो मैं आसानी से चरित्र के व्यक्तित्व से संबंधित हो गई थी।

अभिनेत्री ने कहा कि मैं एक शांतिप्रिय व्यक्ति हूं जो हमेशा चाहती है कि चीजें प्रसूति की तरह संतुलित हों। मुझे उम्मीद है कि प्रसूति का प्रवेश दर्शकों के लिए एक ताजा और दिलचस्प ट्रैक लाएगा।

बाल शिव एंड टीवी पर प्रसारित होता है।(आरएनएस)

नेटफ्लिक्स पर आई आयुष्मान और वाणी की फिल्म चंडीगढ़ करे आशिकी

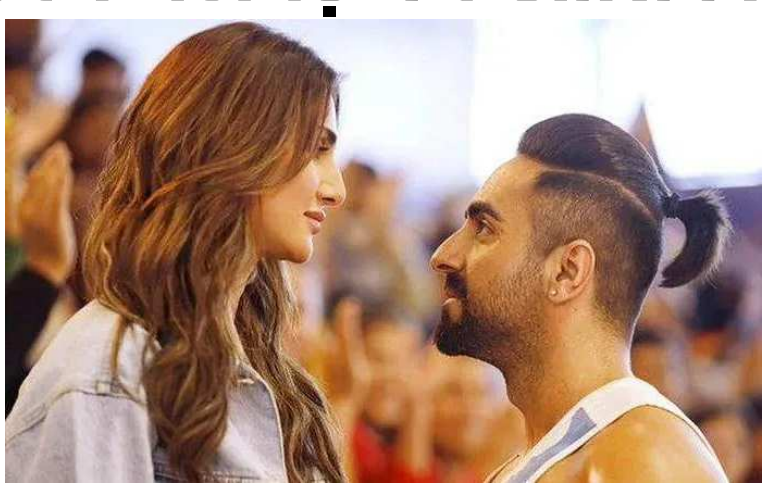

आयुष्मान खुराना और वाणी कपूर के अभिनय से सजी फिल्म चंडीगढ़ करे आशिकी दर्शकों को पसंद आई। जो दर्शक इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वे अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं। आमतौर पर ओटीटी प्लेटफॉर्म किसी चर्चित फिल्म के आने से पहले सूचना देते हैं, लेकिन चंडीगढ़ करे आशिकी को लेकर ऐसी कोई जानकारी नहीं दी गई थी। फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम की जा रही है।

नेटफ्लिक्स ने आज चंडीगढ़ करे आशिकी की रिलीज को लेकर जानकारी दी। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर लिखा, आशिक सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर आशिकी करने पहुंच गए हैं। अब देखिए चंडीगढ़ करे आशिकी नेटफ्लिक्स पर। यह फिल्म 10 दिसंबर को सिनेमाघरों में आई थी। फिल्म चार हफ्तों का विंडो पीरियड पूरा करने के बाद नेटफ्लिक्स पर आई है। 6 जनवरी को फिल्म ने थिएट्रिकल रिलीज के चार हफ्ते पूरे कर लिए थे।

यह भी आयुष्मान की उन फिल्मों की अगली कड़ी है, जिसमें वह समाज में वर्जित समझे जाने वाले विषयों को पर्दे पर बेहिचक सामने लाते हैं। फिल्म की कहानी चंडीगढ़ में सेट है। आयुष्मान जिम के मालिक मनविंदर मुंजाल उर्फ मनु के किरदार में हैं, जो बॉडी बिल्डर है। वाणी जुंबा क्लास चलाने वाली मानवी बरार के किरदार में हैं, जो आयुष्मान का जिम जॉइन करती है। उसके आते ही जिम में एडमिशन लेने वालों की भीड़ बढ़ जाती है।

आयुष्मान जल्द ही रकुल प्रीत सिंह और शेफाली शाह के साथ फिल्म डॉक्टर जी में नजर आएंगे। वह फिल्म अनेक को लेकर भी चर्चा में हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जो अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी है। शुभ मंगल सावधान के बाद आयुष्मान निर्देशक आनंद राय की अगली फिल्म से भी जुड़ने वाले हैं। दूसरी तरफ वाणी के खाते में फिलहाल एक ही फिल्म है शमशेरा। इसमें वह रणबीर कपूर और संजय दत्त के साथ दिखाई देंगी। (आरएनएस)

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित होगी सनी और अमीषा की गदर 2

2001 में रिलीज हुई गदर: एक प्रेम कथा की लोकप्रियता किसी से छिपी नहीं है। इस फिल्म ने सनी देओल और अमीषा पटेल के करियर में चार चांद लगाए हैं। आज भी दर्शक दोनों कलाकारों को इस फिल्म से जोड़कर देखते हैं। हाल में मेकर्स ने इस फिल्म का सीक्वल गदर 2 की शूटिंग शुरू की है। अब जानकारी सामने आ रही है कि इस फिल्म की कहानी 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गदर 2 की कहानी 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की पृष्ठभूमि पर केंद्रित होगी। एक करीबी सूत्र ने बताया, फिल्म गदर विभाजन युग के दौरान तारा सिंह और सकीना की एक प्रेम कहानी थी। अब सीक्वल के साथ निर्माता 24 साल की छलांग लगा रहे हैं, क्योंकि इसकी कहानी भारत और पाकिस्तान के बीच हुए 1971 के युद्ध के समय में सामने आती है।

सूत्र ने आगे बताया कि गदर में तारा (सनी), साकीना (अमीषा) को वापस लाने के लिए पाकिस्तान गए थे। इस बार फिल्म के सीक्वल में वह अपने बेटे जीते को बचाने के लिए पाकिस्तान की यात्रा करेंगे। वह अपने बेटे को वापस लाने की जद्दोजहद में दिखेंगे। उत्कर्ष शर्मा ने ऑरिजनल फिल्म में सनी के बेटे का किरदार निभाया था। सीक्वल फिल्म में पिता और बेटे के बीच शानदार बॉन्डिंग देखने को मिलेगी।

सूत्र ने यह भी बताया, एक पिता अपने बेटे के लिए किस हद तक जा सकता है? वह वास्तव में अपने बेटे की खुशी के लिए युद्ध के बीच में सीमा पार कर सकता है। यही गदर 2 की भावनात्मक कहानी है। उत्कर्ष अब जवान हो चुके हैं और फिल्म में अपनी सशक्त भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। ऑरिजनल फिल्म के मुख्य कलाकार अपने-अपने किरदारों के साथ दर्शकों के बीच आने वाले हैं।

गदर: एक प्रेम कथा एक पीरियड एक्शन ड्रामा है, जिसका निर्देशन अनिल शर्मा ने किया था। फिल्म में सनी, अमीषा और अमरीश पूरी मुख्य भूमिका में दिखे थे। यह फिल्म 1947 में हुए भारत विभाजन की कहानी पर आधारित है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे एक मुस्लिम लड़की और एक पंजाबी लड़के का प्यार सरहदों से परे जाकर अपनी मंजिल चुनता है। फिल्म में अमीषा मुस्लिम लड़की की भूमिका में थीं, जबकि सनी सरदार के किरदार में दिखे थे।अमीषा गदर 2 से काफी समय बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं। उन्हें आखिरी बार फिल्म भैया जी सुपरहिट में देखा गया था। यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी। पिछली बार अमीषा बिग बॉस 13 में स्पेशल गेस्ट बनकर आई थीं।(आरएनएस)

श्वेता तिवारी का अब तक का सबसे बोल्ड फोटोशूट

श्वेता तिवारी 41 साल की हैं, लेकिन खूबसूरती और फिटनेस के मामले में वो 25 साल की लड़कियों को भी मात देती हैं। श्वेता तिवारी ने हाल ही में एक फोटोशूट कराया है, जिसमें वो साड़ी में कातिलाना अदाएं दिखाती नजर आ रही हैं। इस दौरान श्वेता साड़ी के साथ ही खुले बालों में नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने स्मोकी आई मेकअप किया है। श्वेता का लेटेस्ट लुक देखकर फैंस जमकर तारीफ कर रहे हैं।

कोई श्वेता की फोटो पर फायर और हार्ट इमोजी बना रहा है तो कोई उनके लुक को स्टनिंग और गॉर्जियस बता रहा है। एक शख्स ने कमेंट करते हुए लिखा- अब क्या मार ही डालोगी। वहीं एक और शख्स बोला- इसने तो कैटरीना को भी पीछे छोड़ दिया। एक और शख्स ने कहा- एक ही तो दिल है, कितनी बार लूटोगी। एक बोला- ये तो 18 साल की लग रही है। एक और शख्स बोला- आप आज भी हमारी क्रश हो। एक और शख्स ने कमेंट किया- बेटी पलक का कॉम्पीटीटर तो घर पर ही है।

कुछ दिनों पहले श्वेता ने अपनी कुछ फोटोज शेयर की थीं, जिनमें वो डीपनेक ब्लाउज के संग पीले रंग की साड़ी में दिखी थीं। इन पोज में कभी उनका पल्लू सरकता दिख रहा है तो कभी वो अपनी आंखों से फैंस को घायल कर रही हैं। कुछ एक फोटो में तो वे तो अपने होंठ दबाए भी नजर आ रही हैं। श्वेता ने इन फोटोज को इंस्टाग्राम पर शेयर कर लिखा- सनसाइन। उनकी पोस्ट फैन्स के साथ सेलेब्स ने भी जमकर कमेंट्स किए। वहीं उनके एक्स पति राजा चौधरी भी खुद को कमेंट करने से नहीं रोक पाए। उन्होंने लिखा- हमेशा की तरह खूबसूरत।

श्वेता तिवारी की फोटोज पर उनकी बेटी पलक तिवारी ने भी कमेंट किया है। उन्होंने कमेंट करते हुए लिखा- यस क्वीन। इसके साथ ही पलक ने कई सारी इमोजी भी बनाई हैं। फोटोज में देखा जा सकता है कि श्वेता तिवारी की साड़ी नेट पैर्टन पर है, ट्रांसपेरेंट साड़ी पर उनकी हैवी वर्कवाला ब्लाउज काफी जंच रहा है।

बता दें कि श्वेता तिवारी 2 बच्चों की मां है फिर भी वो 20 साल की लड़की से कहीं ज्यादा फिट और खूबसूरत दिखती हैं। वे आज भी काफी बोल्ड और ब्यूटीफुल नजर आती हैं। श्वेता फिलहाल अपनी बेटी पलक और बेटे रेयांश के साथ अकेले रह रही हैं। अगस्त, 2019 में उन्होंने दूसरे पति अभिनव कोहली को तलाक दे दिया था।

चिकित्सा तंत्र को ही इलाज की जरूरत

ज्ञानेन्द्र रावत

देश में कोरोना का संकट थमने का नाम नहीं ले रहा है। मौजूदा हालात इस बात के सबूत हैं कि फिलहाल इस महामारी से निजात नहीं मिलने वाली। कोरोना के नये वेरिएंट ओमीक्रोन ने इस संकट को और बढ़ा दिया है। इस बारे में डब्ल्यूएचओ की वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन का कहना है कि 'ओमीक्रोन को सहज लेना घातक है। इसलिए सावधानी बरतना बेहद जरूरी है।' देश के 25 राज्यों में कोरोना के मामले में महाराष्ट्र शीर्ष पर है। यदि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे की मानें तो राज्य में रोजाना 10,000 से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। राज्य के 10 मंत्री और तकरीबन 60 विधायक कोरोना संक्रमित हैं। हालात की भयावहता का सबूत यह है कि राज्य के कुल संक्रमित 218 सरकारी अस्पतालों के डाक्टरों में से 199 अकेले मुंबई के सरकारी अस्पतालों के हैं। ऐसे हालात में कम्युनिटी स्प्रैड की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। उस हालत में यह खतरा और बढ़ जाता है जबकि राज्य में 16,000 लोगों पर एक डाक्टर हो और राज्य में 25 फीसदी डाक्टरों के पद खाली पड़े हों। टाटा सामाजिक अनुसंधान संस्थान की रिपोर्ट तो यही दावा करती है।

देश की राजधानी दिल्ली में भी संक्रमितों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। इस मामले में आम लोगों की बात तो दीगर है, अति विशिष्ट लोग भी इससे अछूते नहीं हैं। बिहार के दो उपमुख्यमंत्री, दो मंत्री, पंजाब के मुख्यमंत्री आवास के 30 और कार्यालय के दो कर्मचारी, दिल्ली के मुख्यमंत्री, अभिनेता अमिताभ बच्चन और पूर्व क्रिकेट कप्तान सौरभ गांगुली का आवास भी कोरोना के चंगुल से नहीं बचा है।

विडंबना है कि लोग अब भी बचाव के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। किसी भी शहर-कस्बे का बाजार हो या सब्जी मंडी, या लोकल ट्रेन, उनमें बिना मास्क के भीड़ ही भीड़ नजर आती है। शारीरिक दूरी का तो सवाल ही कहां उठता है। मुंबई, कोलकाता जैसे बड़े शहरों में लोकल ट्रेन की संख्या बढ़ाये जाने की मांग की जा रही है। वह बात दीगर है कि किसी राज्य में रात का कर्फ्यू लागू है तो कहीं लॉकडाउन की तैयारी है। वैसे अर्थव्यवस्था को मद्देनजर रखते हुए पूर्ण लॉकडाउन की अब उम्मीद नहीं के बराबर है। अधिकतर राज्यों में स्कूल-कॉलेज बंद कर दिये गए हैं। लेकिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव समय पर होंगे। चुनावी रैलियों पर कोई रोक नहीं है। उ.प्र. हाईकोर्ट तो काफी पहले ही अनुरोध कर चुका है कि चुनाव टाल दिए जायें।

अंतर्राष्ट्रीय विकास नीति सलाहकार जेफ्री सैश का मानना है कि भारत ने आजादी के बाद से ही स्वास्थ्य में बहुत कम निवेश किया है। अब आपके पास सभी माध्यम हैं। ऐसे हालात में अधिक निवेश और कुशल प्रबंधन समय की मांग है। आज भी स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में दुनिया में भारत की रैंकिंग 145 है। असल में स्वास्थ्य के मामले में हमारा रिकार्ड बहुत ही शोचनीय है। नतीजन लोगों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पाती। इस बारे में हार्वर्ड हैल्थ इंस्टिट्यूट का कहना है कि फिलहाल कोरोना के खात्मे की उम्मीद दूर की कौड़ी है। इसलिए धैर्य के साथ हमें सावधानी के उपायों का पालन करना बेहद जरूरी है। फिर देश की स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली किसी से छिपी नहीं है।

सीडीडीईपी की रिपोर्ट के अनुसार, हमारे यहां 10 लाख 41 हजार 395 एलोपैथिक डाक्टर रजिस्टर्ड हैं। हर 10,189 लोगों पर एक डाक्टर है जबकि डब्ल्यूएचओ ने एक हजार लोगों पर एक डाक्टर की सिफारिश की है। इस तरह छह लाख डाक्टरों की कमी है। हर 483 लोगों पर एक नर्स है यानी 20 लाख नर्सों की कमी है। यहां डाक्टर मरीजों को दो मिनट का समय भी नहीं दे पाते जबकि अमेरिका, स्वीडन और नार्वे जैसे देशों में डाक्टर मरीज को 20 मिनट का समय देते हैं। यहां 90 करोड़ ग्रामीण आबादी की स्वास्थ्य संबंधी देखभाल हेतु 1.1 लाख डाक्टर हैं। ग्रामीण इलाके में 5 में केवल एक डाक्टर ठीक से प्रशिक्षित है। दि हेल्थ वर्क फोर्स इन इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार देश में ढाई लाख हैल्थ वर्करों में से 59.2 फीसदी शहरी इलाकों में जबकि 40.8 फीसदी गांवों में प्रैक्टिस करते हैं। आजादी के समय हमारे यहां कुल 23 मेडिकल कालेज थे जबकि 2016 में 420 थे। उसके बाद खुले मेडिकल कालेजों की तादाद अलग है। इनमें हर साल केवल 60 हजार डाक्टर तैयार हो पाते हैं। हर साल 100 मेडिकल कालेज खोले जायें तब कहीं डाक्टरों की कमी पूरी हो सकेगी।

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल्स द्वारा किये सर्वे के अनुसार बाजार में बिक रहीं 3.16 फीसदी और सरकारी अस्पतालों-डिस्पेंसरियों की दवाओं की 10.02 फीसदी गुणवत्ता खराब है। जांच में सरकारी अस्पतालों-डिस्पेंसरियों की दवाओं की गुणवत्ता घटिया पायी गई। निजी अस्पताल रोगियों से ज्यादा मुनाफे पर ध्यान देते हैं।

उसकी दस्तक से घूमे है मस्तक

योगेंद्र माथुर

लो जी, उसके आने की दस्तक हो गई। हमारे सारे चिकित्सा विज्ञानी चिल्लाने लगे हैं कि यह आई, वह आई। खैर! अब वह आ ही रही है तो आने दो! हम कोई उसे पीले चावल तो नहीं देने गए थे। अब बिन बुलाए मेहमान की तरह वह आने पर आमादा है तो आने दीजिए! हां, यदि उसे कोई भ्रम या गलतफहमी हो कि हमने उसे आमंत्रण दिया है या दे रहे हैं तो उसके भ्रम या गलतफहमी को दूर करें।

उससे मेरा तो यही कहना है कि हे कुलक्षिणी! पिछली बार जब तुम पहली और दूसरी का रूप धर कर आई थी तब भी हमने तुम्हें नहीं बुलाया था और अब भी नहीं बुला रहे हैं। ये जो तुम बैंड, बाजा, बारात देख कर भ्रमित हो रही हो कि हम नाच-गाना कर तुम्हें न्योत रहे हैं तो यह भ्रम जितनी जल्दी हो सके दूर कर लो। यह तो लॉकडाउन व कोरोना प्रतिबंधों में हमारे अंदर भरी 'भड़ास' निकलने की खुशी में हम ऐसा कर रहे हैं। गार्डनों में जमा हमारी भीड़ के पीछे भी हमारा 56 पकवानों के रसास्वादन का स्वार्थ है, तुम्हें न्योतने का कोई उपक्रम नहीं।

होटल-रेस्टोरेंट आदि में हमें सपरिवार या बड़ी संख्या में ईष्ट-मित्रों के साथ बैठा देखकर यदि तुम भ्रमित हो कि हम तुम्हारी प्रतीक्षा में बैठे हैं तो यह भ्रम भी दूर कर लो। वहां हम या तो बीवी-बच्चों की फरमाइश पर गए हुए हैं अथवा किसी का बर्थडे या एनिवर्सरी मनाने। ये जो सरकार ने रेल-बस का संचालन पूरी यात्री क्षमता के साथ करने की छूट दी है, वह भी तुम्हारे लिए नहीं है। भीड़ भरी रेल-बस में यात्री स्वयं मुंह से मुंह सटाकर, खड़े-खड़े सफर कर रहे हैं, तुम्हें कहां जगह मिलेगी भला?

बच्चों के स्कूलों की घंटी सुनकर यदि तुम्हे भ्रम हो गया हो कि स्कूल तुम्हारे स्वागत के लिए खोले गए हैं तो यह भ्रम भी अतिशीघ्र दूर कर लो। यह तो हमने बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई से होने वाली आंखों की सुरक्षा व घर बैठे-बैठे बोर हो गए बच्चों के 'गेट टुगेदर' के लिए किया है।

मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारों व गिरिजाघरों में हम यदि बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर सामूहिक प्रार्थना आदि कर रहे हैं तो वह इसलिए थोड़े ही न कि 'हे भगवान, तीसरी लहर को भेज देना' बल्कि देश-दुनिया व स्वयं की कुशलता की कामना के लिए कर रहे हैं।

शायद तुम्हें इन भीड़ भरी चुनावी सभाओं को देखकर भ्रम या गलतफहमी हो गई है कि हम ऐसा तुम्हारे मान-मनव्वल हेतु कर रहे हैं। यदि ऐसा है तो यह गलतफहमी भी तुम शीघ्रातिशीघ्र दूर कर लो। दरअसल यह सभाएं तो 'जागरूक' मतदाताओं की मान-मनव्वल के लिए की जा रही हैं और फिर मैंने सुना है कि 'कोरोना' को तो नेताओं से 'डर' लगता है। तो तुम वहां कैसे आ पाओगी?

हे दुखदात्री! उम्मीद करता हूं मेरी साफगोई से तुम्हारे सारे भ्रमों व गलतफहमी का निवारण हो गया होगा। अब बस इतना ही निवेदन है कि हमारी 'आज़ादी' में खलल डालने कृपया मत आओ!

सू- दोकू क्र.92

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 91 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

फिर भारी महामारी

ऐसे वक्त में जब देश टीकाकरण का डेढ़ सौ करोड़ का आंकड़ा छूने के करीब है, एक बार फिर देश में एक दिन में एक लाख से अधिक लोग संक्रमित होने लगे हैं। बीते साल अप्रैल में संक्रमण ने एक लाख का आंकड़ा छुआ था। पांच दिन में संक्रमण दुगना होना नये वेरिएंट ओमीक्रोन की संक्रमण क्षमता को दर्शाता है।

देश के तमाम प्रयासों के बीच विचलित करने वाली खबर यह है कि शुक्रवार को दूसरे दिन भी इटली से अमृतसर आई फ्लाइट में डेढ़ सौ लोग जांच में संक्रमित पाये गये। बृहस्पतिवार को भी 125 लोग संक्रमित पाये गये थे। कैसे कोई देश बिना जांच के लोगों को यात्रा करने की अनुमति दे रहा है। कैसे एयरलाइंस संक्रमितों को सफर का मौका दे रही है? ऐसी लापरवाहियां ही देश को मुश्किल में डाल रही हैं। इससे देश में कोरोना विस्फोट की स्थितियां बन रही हैं और देश के तमाम प्रयासों को पलीता लगा रही हैं। देश में फिर से कोरोना संक्रमण के मामले सामने आने का रिकॉर्ड टूटने लगा है।

अब तो विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं कि देश तीसरी लहर के भंवर में फंस चुका है। अच्छी बात है कि जान गंवाने वालों का आंकड़ा नहीं बढ़ा है और अस्पतालों पर अभी पहले जैसा दबाव नहीं है। केंद्र सरकार लगातार राज्य सरकारों को निर्देश दे रही है। राज्यों को भी गंभीरता दिखाने की जरूरत है। विभिन्न राज्यों में नाइट कर्फ्यू, बाजारों में बंदी, आधे कर्मचारियों के साथ कार्यालयों में काम, स्कूल-कालेज बंद करने तथा मास्क को लेकर सख्ती की जा रही है। ऐसे वक्त में जब निजी चिकित्सा-तंत्र का पूरी तरह व्यवसायीकरण हो चुका है कोरोना जांच-उपचार की सरकारी सुविधाओं बढ़ाने की जरूरत है। दिल्ली व महाराष्ट्र में संक्रमण में खासी तेजी आई है और नये मामलों में आधे इन दोनों शहरों से हैं। मुंबई में रोज बीस हजार मामले आने के बाद लॉकडाउन लगाने की बात की जा रही है।

वहीं चिंता की बात यह कि नये संक्रमणों में आधे नये वेरिएंट ओमीक्रोन के हैं जो बेहद संक्रामक है। फिक्र यह कि पिछली बार की तरह ही हालात बेकाबू न हो जाएं। अच्छी बात है कि सरकार ने चिकित्सकों, फ्रंटलाइन वर्करों तथा साठ साल से अधिक के असाध्य रोगों से जूझ रहे लोगों को तीसरी सुरक्षा डोज देने के कार्यक्रम की घोषणा की है। वहीं पंद्रह से 18 वर्ष तक के किशोरों को टीका लगाने का कार्यक्रम गति पकड़ रहा है। किशोरों में टीकाकरण को लेकर उत्साह देखते ही बनता है। लेकिन यहां महत्वपूर्ण है कि इस धारणा से मुक्त होना होगा कि नया वेरिएंट ज्यादा घातक नहीं है। ये सोच लापरवाही को बढ़ावा दे सकती है, जिसका खमियाजा अमेरिका जैसे देश भुगत रहे हैं, जहां हर रोज दस लाख तक नये संक्रमण के मामले आये हैं। सावधानी जरूरी है लेकिन इसका मतलब घबराहट नहीं है। सावधानी व हौसलों से इस महामारी का मुकाबला किया जाना चाहिए। हमें दूसरी लहर की तबाही भी याद रखनी है और सावधानी बरतनी है।

अनावश्यक रूप से संक्रमण के जोखिम को दावत देने से बचना है। सावधानी के साथ हम अपनी दिनचर्या का पालन कर सकते हैं, इस सत्य को मानते हुए कि देश तीसरी लहर की आंधी की चपेट में आ चुका है। अच्छी बात यह है कि देश में साठ फीसदी से अधिक वयस्क आबादी को दोनों टीके लग चुके हैं जिनके संक्रमण होने की स्थिति में अस्पताल में भर्ती होने की आशंका कम हो जाती है। लेकिन दुनिया में ओमीक्रोन संक्रमितों की मृत्यु की खबरें भी आनी शुरू हो गई हैं, अतः किसी तरह की लापरवाही से बचना चाहिए। जिनकी सेहत पहले से खराब है,उनके लिये चिंता की बात है। यह जानते हुए कि देश में स्वास्थ्य सेवाएं पर्याप्त नहीं हैं और निजी चिकित्सा-तंत्र मुनाफे की ही भाषा समझता है, हमें लापरवाही से स्वास्थ्य-तंत्र पर दबाव नहीं बढ़ाना है। जान के साथ जहान की फिक्र करनी है ताकि फिर देश में पटरी पर लौटती अर्थव्यवस्था न डगमगाए। साथ ही हम वायरस को म्यूटेट न होने दें, अन्यथा नये वेरिएंट का खतरा बना रहेगा। (आरएनएस)

गांजे व स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने भारी मात्रा में गांजे व स्मैक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कैण्ट कोतवाली पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान चला रखा है। जिसके चलते कैण्ट कोतवाली पुलिस ने दून स्कूल के गेट के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से एक किलो 300 ग्राम गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम शिवम पुत्र राकेश कुमार निवासी इन्द्रा कालोनी चुक्खुवाला बताया। वहीं बसंत विहार थाना पुलिस ने मलिक चौक से शास्त्री नगर खाला की तरफ जा रहे रास्ते पर एक युवक को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से छह ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम विशाल निवासी शास्त्री नगर खाला बताया। पूछताछ में उसने बताया कि वह यह स्मैक रामपुर से सस्ते दामों पर खरीदकर यहां पर स्कूल कालेजों के बच्चों को ऊंचे दामों पर बेचता है। जिससे उसको अच्छी कमाई हो जाती है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

श्रीनगर व कीर्तिनगर में जवानों ने किया फ्लैग मार्च

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। आगामी विधानसभा चुनाव–२०२२ को शान्तिपूर्ण तरीके से संपन्न कराए जाने, आचार संहिता और कोविड–१९ के नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए रविवार को पुलिस, पीएसी व अर्द्धसैनिक बल बीएसएफ के जवानों द्वारा फ्लैग मार्च किया गया। इस दौरान लोगों को आदर्श आचार संहिता के नियमों का पालन करने, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव में पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करने व आमजन को धारा १४४ सीआरपीसी के प्रावधानों का पालन करने की अपील की गई।श्रीनगर में पौड़ी चुंगी से नगर पालिका तिराहा, गणेश बाजार, गोला बाजार, बद्रीनाथ रोड से श्रीकोट बाजार व मुख्य मार्गो पर तथा कीर्तिनगर में श्रीनगर व कीर्तिनगर क्षेत्र में कीर्तिनगर बाजार, जाखणी, रानीहाट, नैथाणा, चौरास आदि क्षेत्रों मे फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस व अर्द्धसैनिक बल के जवानों ने वर्तमान में चल रहे कोविड–१९ के नये वेरियेंट ओमीक्रोन के बढ़ते प्रसार को देखते हुए मास्क पहनने, सोशल डिस्टेंसिग का पालन करने एवं निश्चित समय अंतराल में अपने हाथों को सैनेटाइज कर राज्य सरकार द्वारा समय–समय पर जारी कोविड गाइडलाइन का शत प्रतिशत पालन करने हेतु प्रेरित किया गया। फ्लैग मार्च में पुलिस उपाधीक्षक श्रीनगर श्यामदत्त नौटियाल, प्रभारी निरीक्षक हरि ओमराज चौहान, प्रभारी चौकी बाजार उपनिरीक्षक सुनील रावत व कीर्तिनगर में पुलिस उपाधीक्षक टिहरी महेश चन्द्र बिंजोला के साथ–साथ पुलिस के अन्य अधिकारी व जवान मौजूद रहे।

थराली सीट पर तीन दलों के उम्मीदवारों की घोषणा

चमोली (आरएनएस)। थराली विधानसभा सीट पर अभी तक आम आदमी पार्टी, माकपा एवं समाजवादी पार्टी ने आपने–अपने उम्मीदवारो के नामों की घोषणा कर दी है। जबकि राज्य के दो बड़ी पार्टियां कांग्रेस एवं भारतीय जनता पार्टी ने अभी उम्मीदवारों के नामों की घोषणा नहीं की है।बता दें कि आम आदमी पार्टी ने इस सीट पर सबसे पहले अपने प्रत्याशी गुड्डू लाल के नाम की घोषणा की है। जिसका फायदा गुड्डू लाल को मिला। गुड्डू लाल ने डोर तो डोर संपर्क भी शुरू कर दिया है। दूसरे नंबर पर वाम मोर्चा ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के उम्मीदवार के रूप मे किसान नेता कुंवर राम को प्रत्याशी बनाने की घोषणा की है । अब रविवार को समाजवादी पार्टी द्वारा जारी की गई सूची के अनुसार थराली विधानसभा सीट पर सपा ने किशोर कुमार को उम्मीदवार बनाया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना स्थल का लिया जायजा

पौड़ी (आरएनएस)। जिला निर्वाचन अधिकारी डा. विजय कुमार जोगदंडे ने रविवार को जीआईसी पौड़ी में मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने नोडल अधिकारी सामान्य व्यवस्था, टेंट, बैरिकेडिंग आदि व्यवस्थाओं की जानकारी दी।इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को मतगणना स्थल पर मतदान के दौरान कार्मिकों और संबंधित लोगों को प्रवेश व निकासी के रास्तों, मतगणना हॉल में टेबल व सीटिंग व्यवस्था के अलावा जगह–जगह नोटिस बोर्ड इत्यादि लगाते हुए बैरिकेडिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने मैप के अनुरूप सभी मतगणना स्थल का प्लान बनाने और कलेक्शन सेंटर को तैयार करते हुए मजबूत बैरिकेडिंग लगाने के निर्देश दिए। जिससे कार्मिकों को आवागमन में सुगमता और सहजता हो। जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्कूल के प्रधानाचार्य विमल चंद बहुगुणा को मतगणना और कलेक्शन सेंटर पर मतगणना कार्मिकों के लिए शौचालय, पेयजल, विद्युत आपूर्ति सहित जरूरी चीजों को उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिए।

विधानसभा अध्यक्ष ने लगवाई बूस्टर डोज

संवाददाता

देहरादून। विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचन्द अग्रवाल ने बूस्टर डोज लगवाकर लोगों को डोज लगवाने की भी अपील की।

आज यहां कोरोना से बचाव की एहतियाती खुराक लगाने की शुरूआत होने पर उत्तराखण्ड विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने बूस्टर डोज लगवाई। बूस्टर डोज लगवाने के बाद उन्होंने अपील की है कि कोरोना की तीसरी लहर से बचने के लिए सभी पात्र, वरिष्ठ नागरिक, स्वास्थ्य कर्मी और कोरोना योद्धा बूस्टर डोज जरूर लगवाएं। 16 जनवरी को विश्व के सबसे बडे टीकाकरण अभियान के एक वर्ष पूर्ण होने पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुआ यह अभियान सबके प्रयास के साथ आज दुनिया का सबसे सफल टीकाकरण अभियान है। विधानसभा अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए सभी स्वास्थ्य कर्मियों, वैज्ञानिकों व देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इस साल के दौरान टीके की करीब 156 करोड खुराके दी गयी है टीकारण अभियान से जुडे प्रत्येक व्यक्ति का वह आभार व्यक्त करते हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने सभी पात्र व्यक्तियों से अधिक से अधिक कोरोना टीकाकरण करवाने का आहवान किया।

बाबू भाई को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। आम आदमी पार्टी डोईवाला विधानसभा कार्यालय में पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ता स्वर्गीय बाबू भाई को श्रद्धांजलि दी गई ऐसे कर्मठ कार्यकर्ता सदैव पार्टी की रीड रहते हैं।

आज यहां श्रद्धांजलि सभा के दौरान उनकी आत्मा की शांति के लिए २ मिनट का मौन रखा गया इस मौके पर आम आदमी पार्टी डोईवाला विधानसभा के प्रत्याशी राजू मौर्य श्केतनश ने कहा कि बाबू भाई को इंसाफ दिलाने के लिए हम हर प्रकार के संघर्ष के लिए तैयार हैं आम आदमी पार्टी बाबू भाई के परिवार के साथ खड़ी है। श्रद्धांजलि देने वालों में राजेश शर्मा, विजय पाठक, सागर हांडा, जसवीर सिंह, अथहर अली, शुभम लोधी आदि कार्यकर्ता मौजूद थे। बता दें कि २ दिन पहले बालावाला में बाबू भाई के मकान मालिक ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी। कल देर शाम हत्या के आरोपी कपिल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

दो साल में भी पूरा नहीं हुआ फरासू में एनएच पर भूस्खलन रोकने का काम!

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। ऋषिकेश बद्रीनाथ राजमार्ग पर फरासू पुराने हनुमान मंदिर के पास भूस्खलन रोकने के किये जा रहे काम में तेजी ना लाने पर स्थानीय लोगों ने रोष प्रकट किया है। कहा कि दो साल बीत जाने के बाद भी काम पूरा नहीं हो पा रहा है। यहां आये दिन काम बंद रहने तथा कम मजदूर रहने के कारण समय पर काम पूरा नहीं हो पा रहा है। जिससे उक्त स्थान पर अभी भी पत्थर आने का खतरा बना हुआ है। जबकि जाम की स्थिति भी अभी बनी रहती है। चारधाम यात्रा को देखते हुए उक्त स्थान पर भूस्खलन रोकने का काम शुरू किया, किंतु संबंधी ठेकेदार द्वारा काम को समय पर पूरा नहीं किया जा रहा है।

राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग श्रीनगर के अधीन चल रहे उक्त काम में लगातार देरी हो रही है। करोड़ों रूपये का काम होने के बाद भी उक्त काम को समय पर पूरा नहीं किया जा रहा है। संबंधित ठेकेदार द्वारा कम टैक्निकल कर्मी बुलाये गये हैं। कांग्रेस के पीसीसी सदस्य वीरेन्द्र सिंह नेगी, मीडिया प्रभारी लाल सिंह नेगी एवं कांग्रेस नेता पुष्पेन्द्र पंवार एवं स्थानीय कुलदीप सिंह रावत ने कहा कि फरासू में सरकार द्वारा भूस्खलन रोकने के लिए पहाड़ी को टेप किया जा रहा है, किंतु सरकार का कार्यकाल समाप्त होने पर भी उक्त काम पूरा नहीं हो सका।

कहा कि काम में तेजी लाने के लिए किसी भी प्रकार के दिशा–निर्देश नहीं दिये गये हैं। जिस कारण आज फरासू में समय पर काम पूरा नहीं हो पा रहा है। लोगों ने कहा कि लोनिवि राजमार्ग विभाग भी संबंधी कार्यदायी संस्था से समय पर काम पूरा नहीं करा पा रहा है। पिछले यात्रा सीजन और बरसात होते ही उक्त स्थान पर मलबा व पत्थर आ जाते है, किंतु इसके बाद भी उक्त काम को समय पर पूरा नहीं कराया जा रहा है। जबकि यात्रा सीजन आने को दो–तीन माह का समय बच गया है।

भारी मात्रा में चरस सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। आदर्श आचार संहिता के दौरान चरस तस्करी कर रहे एक नशा तस्कर को पुलिस ने कल देर शाम भारी मात्रा में चरस सहित गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना झिरौली व एसओजी टीम को सूचना मिली कि एक नशा तस्कर क्षेत्र में नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए संयुक्त टीम ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान संयुक्त टीम को काफलीगैर बैरियर के समीप एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से 1 किलो 24 ग्राम चरस बरामद की। थाने लाकर की गयी पूछताछ में उसने अपना नाम प्रताप सिंह पुत्र कुन्दन सिंह निवासी– ग्राम बाछम कपकोट बताया। पुलिस ने उसे एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

एक नजर

पंडित बिरजू महाराज का 83 साल की उम्र में हुआ निधन

नयी दिल्ली। ८३ साल के पंडित बिरजू महाराज पद्म विभूषण से सम्मानित थे, उनका दरमियानी रात को उनका निधन हुआ है। उनका निधन दिल्ली के साकेत हॉस्पिटल में हुआ है। यह जानकारी उनके पोते स्वरांश मिश्रा ने सोशल मीडिया के जरिए दी है। कई गायकों ने पंडित बिरजू महाराज को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। गायक मालिनी अवस्थी और अदनान सामी ने भी अपने श्रद्धांजलि वाले पोस्ट शेयर किए हैं।

अदनान सामी ने भी पंडित बिरजू महाराज की मौत पर दुख जताया है। पंडित बिरजू महाराज का असली नाम पंडित बृजमोहन मिश्र था। उनका जन्म ४ फरवरी १९३८ को लखनऊ में हुआ था। ये कथक नर्तक के साथ शास्त्रीय गायक भी थे। इनके परिवार के कई लोग मशहूर कथक नर्तक थे। इसमें बिरजू महाराज के पिता और गुरु अच्छन महाराज, चाचा शंभु महाराज और लच्छू महाराज का नाम शामिल है। इन्होंने कई हिंदी फिल्मो में भी डांस कोरियोग्राफ किया था। वे देवदास, डेढ़ इश्किया, उमराव जान और बाजी राव मस्तानी जैसी फिल्मों में अपना योगदान दे चुके हैं। इन्हें १९८३ में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा पंडित बिरजू महाराज को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और कालिदास सम्मान से भी नवाजे गए थे।

पंजाब में आगे बढ़ सकती है मतदान की तारीख ?

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग राजनीतिक दलों की उस मांग पर सहमत हो गया है, जिसमें तीनों दलों ने १६ फरवरी को श्री गुरु रविदास जयंती के कारण चुनाव को ६ दिन आगे बढ़ाने की मांग की थी। सूत्रों के मुताबिक,आयोग ६ से ८ दिन के लिए मतदान की तारीख को बढ़ा सकता है। चुनावी शेड्यूल के मुताबिक, राज्य में १४ फरवरी को एक चरण में ही मतदान होने वाला है। सीएम चन्नी ने आयोग को पत्र लिखा था। इसमें कहा गया कि अनुसूचित जाति समुदाय के लोगों ने उन्हें बताया कि रविदास जयंती को लेकर बड़ी संख्या में एससी श्रद्धालु १० से १६ फरवरी तक उत्तर प्रदेश के बनारस का दौरा करेंगे।

बीजेपी ने भी सीएम चन्नी की तरह चुनाव आयोग को चिट्ठी लिखकर दलील दी थी कि १६ फरवरी को पंजाब में श्री गुरु रविदास जयंती है और इस मौके पर दलित समुदाय के काफी लोग वाराणसी और अन्य तीर्थ स्थलों पर गुरुपर्व मनाने के लिए जाते हैं। ऐसे में उनके लिए मतदान के दिन पंजाब में बना रहना मुश्किल भरा हो सकता है। ऐसे में चुनाव आयोग को चुनाव की तारीख बदलने पर विचार करना चाहिए। बसपा की पंजाब इकाई के प्रमुख जसवीर सिंह गढ़ी ने सबसे पहले मतदान की तारीख आगे बढ़ाने की मांग की थी।

पंजाब में आम आदमी पार्टी कल करेगी मुख्यमंत्री चेहरे का ऐलानः केजरीवाल

नयी दिल्ली। पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों की तारीखों के ऐलान के बाद सियासी गलियारों में उठापटक तेज हो गई है। पंजाब में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए आम आदमी पार्टी से मुख्यमंत्री का उम्मीदवार कौन होगा, इसका फैसला पार्टी मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान करेगी।

कई दिनों पंजाब में आम आदमी पार्टी सीएम फेस का मुद्दा गरमाया हुआ है। हालांकि कहा जा रहा है कि आप के पंजाब इकाई के प्रमुख भगवंत मान आम आदमी पार्टी से सीएम फेस हो सकते हैं। वही दूसरी ओर फिरोजपुर से आम आदमी पार्टी के नेता आशु बांगड़ ने पद से इस्तीफा दे दिया है। बांगड़ को आम आदमी पार्टी ने फिरोजपुर ग्रामीण से विधानसभा चुनाव के लिए टिकट दिया था। फिरोजपुर में एक प्रेस वार्ता के दौरान बांगड़ ने इस्तीफे का ऐलान किया। उन्होंने आप के संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह एक मल्टीनेशनल कंपनी की तरह काम कर रहे हैं।

सरिता आर्य कांग्रेस छोड़कर भाजपा में हुई शामिल

संवाददाता

देहरादून। यशपाल आर्य और उनके विधायक बेटे संजीव आर्य की कांग्रेस में वापसी से असहज दिख रही कांग्रेस महिला मोर्चा की अध्यक्ष सरिता आर्य आखिरकार आज कांग्रेस का हाथ और साथ छोड़कर भाजपा में शामिल हो गई। प्रदेश मुख्यालय में आज प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई।

सरिता आर्य के भाजपा में जाने की खबरें लंबे समय से आ रही थी। पूर्व काबीना मंत्री यशपाल आर्य और उनके बेटे संजीव आर्य के भाजपा छोड़कर कांग्रेस में वापस आने के बाद से ही वह असहज महसूस कर रही थी। उन्हें इस

❑नैनीताल सीट से लड़ सकती है चुनाव

बात का डर सता रहा था कि नैनीताल से सीटिंग विधायक संजीव आर्य के कांग्रेस में वापस आने से कांग्रेस अब उन्हें टिकट नहीं देगी। 2017 के चुनाव में कांग्रेस ने सरिता आर्य को नैनीताल सीट से अपना प्रत्याशी बनाया था लेकिन संजीव आर्य के मुकाबले वह चुनाव हार गई थी। जिताऊ प्रत्याशी संजीव आर्य की कांग्रेस में वापसी के बाद उन्हें अपना राजनीतिक कैरियर समाप्त दिख रहा था यही कारण था कि वह भाजपा से संपर्क बनाए हुए थी। हालांकि कांग्रेस ने भी उनकी नाराजगी को ज्यादा तवज्जो नहीं दी थी।

आज दोपहर अचानक सरिता आर्य भाजपा प्रदेश मुख्यालय पहुंची जहां प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने उन्हें पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया और पार्टी की सदस्यता दिलाई। भले ही कहा यही जा रहा हो कि वह बिना शर्त भाजपा में शामिल हुई है लेकिन समझा जा रहा है कि भाजपा उन्हें नैनीताल सीट से चुनाव मैदान में उतारेगी। क्योंकि संजीव आर्य के जाने के बाद भाजपा के पास कोई दूसरा बड़ा उम्मीदवार नहीं है। यह अलग बात है कि संजीव आर्य के सामने उनकी दावेदारी को मजबूत नहीं माना जा रहा है।

फर्जी ट्रेडिंग कम्पनी में निवेश के नाम पर धोखाधडी

एसटीएफ ने पाकिस्तान बॉर्डर से किया शातिर ठग को गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। फर्जी ट्रेडिंग कम्पनी के नाम पर सोना, मसाले व शराब खरीदने का झांसा देकर लाखों रूपये की धोखाधडी करने वाले ठग को एसटीएफ व साइबर थाना पुलिस ने पाकिस्तान से 40 किलोमीटर डोगरा फरीदकोट से गिरफ्तार किया। आरोपी के तार कंबोडिया व हांगकांग तक जुडे हैं।

एसएसपी एसटीएफी अजय सिंह ने यहां जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में साइबर अपराधी आम जनता की गाढी कमाई हडपने के नये-नये तरीके अपनाकर धोखाधडी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसी के चलते ठगों द्वारा विभिन्न ऑनलाइन ट्रेडिंग कम्पनियों की फर्जी साइट तैयार कर आम जनता से ई-मेल व दूरभाष के माध्यम से सम्पर्क

कर ऑनलाइन ट्रेडिग में धनराशि लगाने व दुगना लाभ कमाने का लालच देकर करोडो रूपये की धोखाधडी की जा रही

❑कंबोडिया व हांगकांग तक जुडे हैं तार

है। उन्होंने बताया कि सुभाषनगर ज्वालापुर हरिद्वार निवासी अमित कुमार ने साईबर क्राईम पुलिस स्टेशन में प्रार्थना पत्र दिया कि अज्ञात लोगों द्वारा ऑनलाईन ट्रेडिंग कम्पनी जीएलसी प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी की फर्जी साइड बनाकर पीडित से फोन के माध्यम से सम्पर्क कर ऑनलाईन ट्रेडिंग में धनराशि इन्वेस्ट करने व दुगना लाभ कमाने का लालच देकर पीडित से 15 लाख रूपया विभिन्न खातों में प्राप्त किया। साईबर पुलिस स्टेशन में विभिन्न धाराओं अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की गयी। जांच मे पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोबाइल नम्बर व आरोपियों द्वारा प्राप्त धनराशि की जानकारी एकत्रित की गयी। जांच में सामने आया कि आरोपी द्वारा अपने विदेशी कंबोडिया व हांगकांग के साथियों के साथ मिलकर फर्जी वैबसाईट बनाकर पीडित को सोना, मसाले व शराब की खरीद फरोख्त का झांसा देकर आईसीआईसीआई व एयू स्माल फाईनेंस बैंक ऑफ इण्डिया में गैलेक्सी वाइट कम्पनी के नाम से खाते खुलवाकर धोखाधडी की गयी थी। जिसके बाद पुलिस ने खातेधारक का पता लगाते हुए गत रात्रि भारत पाकिस्तान बार्डर के समीप समीप फरीदकोट पंजाब से एक ठग को गिरफ्तार किया। जिसने पूछताछ में अपना नाम रोहित कुमार पुत्र गुरदयाल निवासी आर्दश नगर फरीदकोट बताया। उसने बताया कि वह अपने हांगकांग व कंबोडया निवासी साथियों के साथ मिलकर फर्जी ट्रेडिंग वैबसाईड बनाकर लोगों को निवेश के नाम पर ठगी करते हैं। एसटीएफ ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसके साथियों की तलाश शुरू कर दी है।

बड़े बेआबरु होकर तेरे...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

के एक ही व्यक्ति को टिकट देगी।

2016 में कांग्रेस के विभाजन के सुत्रधार माने जाने वाले डॉ हरक सिंह रावत को कांग्रेस अपने में शामिल करेगी या नहीं अथवा हरक सिंह अब कहां जाएंगे? उनकी पुत्रवधू अनुकृति रावत जिनके लिए डॉक्टर हरक लैंसडाउन से टिकट मांग रहे थे उनका क्या होगा? इन सभी सवालों के जवाब आने वाले एक-दो दिनों में ही मिल सकेंगे। फिलहाल प्रदेश की आम जनता नेताओं की अवसरवादी राजनीति के लिए सोशल मीडिया पर उनकी अच्छी खासी मजम्मत करने में जुटी है।

आवश्यकता है
होटल साइना इन में आवश्यकता है वेटर व बिल क्लर्क की।
संपर्क करें-
9358134808

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।